डाक पंजीयन नं. 99/2021-23
E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

आधुनिक समाचार की खबरों का आनन्द लेते हुए डा.सुरेंद्र भारद्वाज...

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

सिनेमाःसाउथ की ऐश्वर्या ने पहनी मां...

वर्ष -09 अंक -67 | प्रयागराज, शुक्रवार 12 मई,2023 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

रणथम्भौर अभ्यारण्य से उदयपुर लाये गये बाघ टी-104 की अज्ञात कारणों से मौत

नई दिल्ली। राजस्थान के सवाईमाधोपुर जिले के रणथम्भौर अभ्यारण्य से उदयपुर के सज्जनगढ़ जैविक उद्यान में मंगलवार को स्थानांतरित किए गया एक बाघ बुधवार को मृत पाया गया। वन विभाग के एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। उदयपुर के सज्जनगढ़ अभयारण्य के उप वन संरक्षक अजय चित्तोड़ा ने बताया कि बेहोश करने के बाद बाघ टी-104 को रणथंभौर बाघ अभ्यारण्य से मंगलवार रात को सज्जनगढ़ जैविक उद्यान के ओपन एनक्लोजर में स्थानांतरित किया गया था। उन्होंने बताया कि बुधवार से बाघ टी 104 की अज्ञात कारणों से मृत्यु हो गयी। अधिकारी ने बताया कि पशु चिकित्सकों के बोर्ड ने उसका पोस्टमार्टम किया गया। उन्होंने बताया कि गठित मेडिकल बोर्ड ने बताया कि बाघ टी 104 में मल्टी ऑर्गन संक्रमण पाया गया है। इसके नमूने जांच के लिये भिजवाये जा रहे है।

केरल नौका हादसे की जांच के लिए तीन सदस्य न्यायिक आयोग गठित

तिरुवनंतपुरम। केरल सरकार ने मलप्पुरम जिले में नौका हादसे की जांच के लिए बुधवार को तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग का गठन किया। तीन दिन पहले हुई इस दुर्घटना में 22 लोगों की मौत हो गई थी। आयोग की अध्यक्षता उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति वी के मोहनन करेंगे जबकि इसमें तकनीकी विशेषज्ञ के तौर पर नीलकंदन उन्नी (सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता, भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण) और सुरेश कुमार (मुख्य अभियंता, केरल अंतर्देशीय जलमार्ग एवं अवसंरचना लिमिटिड) सदस्य होंगे। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की अध्यक्षता में आज हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में में आयोग गठित करने के बाबत फैसला लिया गया। मुख्यमंत्री सोमवार को मलप्पुरम के अस्पतालों में पीड़ितों को देखने पहुंचे थे। उन्होंने बाद मामले की न्यायिक जांच कराने और हादसे में जान गंवाने लोगों के परिवारों को 10-10 लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की थी। साथ ही घायलों के इलाज और बचाव कार्य के लिए 25 लाख रुपये की राशि भी स्वीकृत की गई है।

पीएम मोदी बोले- तकनीकी विकास के शिखर पर खड़ा है भारत, साइंस और टेक्नोलॉजी पर दिया जा रहा जोर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर कई वैज्ञानिक परियोजनाओं की आधारशिला रखी और स्मारक डाक टिकट व सिक्का भी जारी किया। इस दौरान अपने संबोधन में मोदी ने कहा कि आज 11 मई का ये दिन, भारत के इतिहास के सबसे गौरवमयी दिनों में से एक है। आज भारत के वैज्ञानिकों ने पोखरण में वह उपलब्धि हासिल की थी जिसने मां भारती की हर संतान का सिर गर्व ये ऊंचा कर दिया था। उन्होंने कहा कि मैं उस दिन को कभी नहीं भूल सकता जब अटल जी ने भारत के सफल परमाणु परीक्षण की घोषणा की थी। इससे भारत ने न केवल अपने वैज्ञानिक सामर्थ्य को साबित किया था बल्कि भारत के वैश्विक कद को भी ऊंचाई दी थी

मोदी ने कहा कि भारत तकनीकी विकास के शिखर पर खड़ा है। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद से भारत ने जिस तरह से साइंस और प्रौद्योगिकी पर जोर दिया है वह बड़े बदलावों का कारण बना है। पहले जो साइंस सिर्फ किताबों तक सीमित था वह अब प्रयोग से आगे बढ़कर पेटेंट में बदल रहे हैं। मोदी ने कहा कि भारत में 10 साल पहले 1 साल में 4 हजार पेटेंट ग्रांट होते थे लेकिन आज इनकी संख्या 30 हजार से ज्यादा हो गई है। उन्होंने कहा कि हमने जो स्टार्टअप इंडिया अभियान शुरु किया, जो डिजिटल इंडिया अभियान शुरु किया, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति बनाई उसने भी प्रौद्योगिक क्षेत्र में भारत की सफलता को और नई ऊंचाई दी। उन्होंने कहा कि इस समय में हम आजादी के 'अमृतकाल' के शुरुआती महीनों में हैं। हमारे सामने 2047 के स्पष्ट लक्ष्य हैं। हमें देश को विकसित बनाना है, हमें देश को आत्मनिर्भर बनाना है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत, तकनीक को अपना दबदबा कायम करने का माध्यम नहीं मानता बल्कि देश की प्रगति को गति देने का एक टूल मानता है। भारत के युवा दिमाग को नवाचार की तरफ प्रेरित करने के लिए बीते 9 वर्षों में देश में एक मजबूत बुनियाद बन चुकी है। कुछ साल पहले शुरू की गई अटल टिंकरिंग लैब्स आज देश की नवाचार नर्सरी बन रही हैं। उन्होंने कहा कि 'स्कूल से स्टार्टअप्स' तक की यात्रा छात्रों द्वारा कवर की जाएगी, लेकिन यह वैज्ञानिक समुदाय है जिसे उनका मार्गदर्शन करना है, उन्हें प्रोत्साहित करना है; और मैं आपको इस प्रयास में अपने पूर्ण समर्थन का आश्वासन देता हूं। मोदी ने कहा कि एक समय था, जब ऊाम्प्हदत्दुब सामान्या भारतीय की पहुंच से बाहर थी लेकिन भारत का ळझ्ष् आज अपनी एग्स्ज्त्म्ूब की वजह से नै हदेर्स्ि बन गया है। आज रेहड़ी-पटरी वालों से लेकर रिक्शे वाले तक, डिजिटल पेमेंट का इस्तेमाल कर रहे हैं।

केरल की कहानी मुसलमानों नहीं बल्कि आईएसआईएस के खिलाफ है, असम सीएम बोले-अपने सबसे मुश्किल दौर से गुजर रहा

मुम्बई। अदा शर्मा स्टारर द केरला स्टोरी बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। सुदीप्तो सेन द्वारा निर्देशित फिल्म 70 करोड़ रुपये के करीब पहुंच रही है और शुरुआती अनुमानों के अनुसार रिलीज के छठे दिन कुल लगभग 68.86 करोड़ रुपये की कमाई की है। इस बीच, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने बुधवार को फिल्म को राज्य में कर मुक्त घोषित कर दिया। इससे पहले उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड में इसकी घोषणा पहले ही की जा चुकी है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि 'द केरल स्टोरी' और सोशल मीडिया पर चल रहे असल इंटरव्यू देखने के बाद साबित होता है कि केरल अपने सबसे मुश्किल दौर से गुजर रहा है। आतंकवादी संगठनों द्वारा मासूम महिलाओं का इस्तेमाल किए जाने पर केरल की जनता को अपनी आवाज़ उठानी चाहिए। असम में ऐसे मामले नहीं हैं लेकिन महिलाओं के धर्म परिवर्तन की घटनाएं जरूर सामने आई हैं।विभिन्न राज्यों में 'द केरल स्टोरी' पर प्रतिबंध लगाए जाने के सवाल पर असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि इस फिल्म पर प्रतिबंध लगाने से कुछ हासिल नहीं होगा। यह फिल्म किसी समुदाय के खिलाफ़ नहीं बल्कि आतंकवाद के खिलाफ़ है। जिन्होंने भी इस फिल्म पर प्रतिबंध लगाया उनको लगता है कि यह फिल्म मुस्लिम समुदाय के खिलाफ़ है। ऐसा नहीं है। बल्कि यह फिल्म आईएसआईएस के खिलाफ़ है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर बोले फडणवीस, लोकतंत्र की जीत हुई है

महा विकास अघाड़ी की साजिश नाकाम हो गई

मुम्बई। महाराष्ट्र में सत्ता में एकनाथ शिंदे-बीजेपी गठबंधन को एक बड़ी राहत देते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को फैसला सुनाया कि राज्य में पूर्ववर्ती महा विकास अघाड़ी सरकार को बहाल नहीं किया जा सकता है, क्योंकि तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने फ्लोर टेस्ट का सामना नहीं किया था और अपनी इच्छा से इस्तीफा दिया। इसके बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान फडणवीस ने कहा कि हम सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह लोकतंत्र और लोकतांत्रिक प्रक्रिया की जीत है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से हम संतुष्ट हैं। फडणवीस ने कहा कि आज सुप्रीम कोर्ट ने महा विकास अघाड़ी के मंसूबों पर पानी फेर दिया है। महा विकास अघाड़ी की साजिश नाकाम हो गई है...सुप्रीम कोर्ट ने माना है कि महाराष्ट्र की मौजूदा सरकार पूरी तरह संवैधानिक है। फडणवीस ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा है कि उद्धव ठाकरे को दोबारा मुख्यमंत्री नहीं बनाया जा सकता है। सदस्यता निरस्त किए जाने के संबंध में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि स्पीकर के पास अधिकार है कि वे फैसला लें। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि चूंकि ठाकरे ने विश्वास मत का सामना किये बिना इस्तीफा दे दिया था, इसलिए राज्यपाल ने सदन में सबसे बड़े दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कहने पर सरकार बनाने के लिए शिंदे को आमंत्रित करके सही किया। पीठ में न्यायमूर्ति एम आर शाह, न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी, न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा शामिल हैं।

कोर्ट की टिप्पणी पर बोलते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा कि मैंने नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दिया। उन्होंने कहा कि अगर इस मुख्यमंत्री(शिंदे) और उपमुख्यमंत्री(देवेंद्र फडणवीस) में जरा भी नैतिकता होगी तो इस्तीफा देना चाहिए जैसे मैंने इस्तीफा दिया था। इसके जवाब में फडणवीस ने कहा कि नैतिकता की बात करना उद्धव ठाकरे को शोभा नहीं देता। मैं उनसे पूछता हूं कि भाजपा के साथ चुनकर आए और मुख्यमंत्री बनने के लिए कांग्रेस और न्ध्न् के साथ जब गए तब नैतिकता को कौनसे डब्बे में डाला था? उन्होने डर के कारण इस्तीफा दिया था। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि लोकतंत्र में बहुमत का महत्व होता है।

वित्त मंत्री सीतारमण आज से जापान दौरे पर, जी-7 बैठक में होंगी शामिल

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जापान में टोक्यो के हानेडा हवाई अड्डे पर पहुंचीं, जहां जापान और मार्शल द्वीप समूह में भारतीय राजदूत सिबी जॉर्ज ने उनका स्वागत किया। केंद्रीय वित्त मंत्री जापान की आधिकारिक दो दिवसीय यात्रा पर हैं। 12 मई, 2023 जी7 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक में 'साझेदार देशों के साथ संवाद' पर चर्चा होनी है। वित्त मंत्रालय ने एक ट्वीट में कहा कि अपनी यात्रा के दौरान सीतारमण अपने समकक्षों के साथ बहुपक्षीय और द्विपक्षीय जुड़ाव भी करेंगी, इसके अलावा व्यापारिक नेताओं और निवेशकों के साथ एक गोलमेज बैठक भी करेंगी। वित्त मंत्रालय ने एक ट्वीट में कहा गया है कि अपनी जापान यात्रा के दौरान वित्त मंत्री अन्य देशों के वित्त मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय और बहुपक्षीय बैठकों में भाग लेंगी। इसके अलावा वह कारोबारियों और निवेशकों की गोलमेज बैठक में भी शामिल होंगी।" अपनी यात्रा के दौरान सीतारमण तोक्यो में निवेशकों और उद्योग जगत के लोगों को संबोधित करेंगी।

स्वर्ण मंदिर के पास पांच दिन में तीसरा धमाका आखिर कौन अमृतसर में फैला रहा है अराजकता?

नई दिल्ली। पंजाब का सीमाई शहर अमृतसर काफी समय से चर्चा में हैं। खालिस्तान की फिर से मांग उठने से लेकर अमृतपाल की गिरफ्तारी तक शहर में लगातार हलचल देखने को मिली। पाकिस्तान की सीमा पर भी पिछले लंबे समय से ड्रोन की आवाजाही भी खूब बढ़ी है। अब मई के महीने में तीसरी बार खबर आयी है कि अमृतसर में स्वर्ण मंदिर के पास विस्फोट हुआ है। कुछ दिन पहले 24 घंटे के अंदर दो बार विस्फोट की पुलिस को सूचना मिली। अब एक बार फिर से धमाके की खबरें आयी हैं। सूत्रों ने कहा कि गुरुवार तड़के अमृतसर में स्वर्ण मंदिर के पास विस्फोट की आवाज के बाद पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। एक सप्ताह के भीतर क्षेत्र में दहलाने वाला यह तीसरा विस्फोट था।

जानकारी के मुताबिक, धमाका रात करीब 12.30 बजे हुआ। पंजाब पुलिस के सूत्रों ने एएनआई को बताया कि गिरफ्तार किए गए पांच आरोपियों ने कथित तौर पर विस्फोट की योजना बनाई थी। उन्होंने कहा कि विस्फोट के पीछे का मकसद इलाके में शांति भंग करना था। सूत्रों ने यह भी कहा कि विस्फोट के समय पास के एक कमरे में दो पुरुष और एक महिला रह रहे थे। तीनों से पूछताछ की जा रही थी। एएनआई द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में अमृतसर में स्वर्ण मंदिर के पास अराजकता और पुलिस को दिखाया गया है। हमें इमारत के पीछे कुछ टुकड़े मिले हैं। लेकिन चूंकि यह अंधेरा है, हम कोशिश कर रहे हैं पता लगाने के लिए। इससे पहले, दो विस्फोटों ने क्रमशः 6 मई और 8 मई को स्वर्ण मंदिर के पास एक

सूत्रों ने बताया कि पटाखे में पोटेशियम क्लोरेट का इस्तेमाल किया गया था जिससे गुरुवार को विस्फोट हुआ।पत्रकारों से बातचीत में पंजाब पुलिस ने पहले कहा था कि इमारत के पीछे कुछ टुकड़े मिले हैं। पुलिस आयुक्त नौनिहाल सिंह ने संवाददाताओं से कहा 12.15 - 12.30 बजे के आसपास एक तेज आवाज सुनाई दी। एक संभावना है कि यह एक और विस्फोट हो सकता है। इसकी पुष्टि की जा रही है और इसकी पुष्टि होनी बाकी हेरिटेज स्ट्रीट को दहला दिया था, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई थी। दूसरे विस्फोट के बाद डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि पंजाब पुलिस 30 घंटे के भीतर हुए दो विस्फोटों की जांच के लिए सभी एजेंसियों की मदद ले रही है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की एक टीम ने भी दूसरे विस्फोट स्थल का दौरा किया और निरीक्षण किया। पहले विस्फोट में एक व्यक्ति घायल हो गया और इलाके की कुछ इमारतों के शीशे क्षतिग्रस्त हो गए।

नीतीश कुमार के विपक्षी एकता के प्रयास पर भाजपा का तंज

अश्विनी चौबे बोले- यह विपक्ष जोड़ो नहीं आंख फोड़ो अभियान है

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लगातार भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों के एकजुट कर रहे हैं। इसी कड़ी में वह विपक्षी दलों के नेताओं से मुलाकात भी कर रहे हैं। नीतीश के इस कदम को लेकर भाजपा उनपर लगातार निशाना साध रही है। इसी कड़ी में केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे का भी बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि यह विपक्ष जोड़ो नहीं आंख फोड़ो अभियान है...अब इनमें(नीतीश कुमार) गुण नहीं सिर्फ अवगुण है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वे बस यह कहकर जनता को ठगने के लिए जा रहे हैं कि वे प्रधानमंत्री मैटेरियल हैं। आपको बता दें कि आज नीतीश कुमार का महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और एनसीपी प्रमुख शरद पवार से मुलाकात का कार्यक्रम है। वहीं, बुधवार को नीतीश कुमार ने झारखंड की राजधानी रांची में झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की थी। नीतीश कुमार ने कहा कि हमने आज विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की और इस बात पर सहमत हुए कि हम देश के हित के लिए एकजुट होकर काम करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आप अगले लोकसभा चुनाव में परिणाम देखेंगे जब हम एकजुट होकर काम करेंगे... देश का इतिहास अक्षुण्ण रहेगा, देश प्रगति करेगा और हम देश में किसी भी प्रकार का विवाद नहीं होने देंगे। पिछले साल भाजपा से अलग होने के बाद नीतीश कुमार विपक्षी एकता अभियान में जुटे हुए है। वह सभी दलों से एक साथ आकर भाजपा के खिलाफ लड़ाई की अपील कर रहे हैं। नीतीश कुमार लगातार कह रहे हैं कि उनकी 'प्रधानमंत्री पद की कोई महत्वाकांक्षा नहीं' है, लेकिन उन्होंने कहा कि वह केंद्र में सत्तारूढ़ एनडीए के खिलाफ विपक्षी एकता बनाने में 'सकारात्मक' भूमिका निभाएंगे। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मुंबई का दौरा करेंगे और वरिष्ठ विपक्षी नेताओं के साथ बैठक करेंगे। नीतीश कुमार 11 मई की दोपहर मुंबई पहुंचेंगे और सीधे बांद्रा में शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के आवास मातोश्री जाएंगे, जहां वह पूर्व मुख्यमंत्री के साथ बातचीत करेंगे। उद्धव ठाकरे से मुलाकात के बाद बिहार के मुख्यमंत्री राकांपा प्रमुख शरद पवार से मुंबई के मालाबार हिल स्थित सिल्वर ओक्स स्थित उनके आवास पर भी मुलाकात करेंगे।

जम्मू-कश्मीर में लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों के दो सहयोगी गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में सुरक्षा बलों ने लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के आतंकवादियों के दो सहयोगियों को गिरफ्तार करके उनके कब्जे से एक आईईडी समेत हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा कि सुरक्षा बलों ने उत्तरी कश्मीर जिले के सोपोर में सैदपोरा बाईपास क्षेत्र के पास दो संदिग्ध व्यक्तियों के मौजूद होने की सूचना मिलने के बाद घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया। प्रवक्ता ने बताया कि उनकी पहचानसैदपोरा के बहल मोहल्ला निवासी कैसर मंजूर मीर और शालपोरा के रहने वाले मुजफ्फर मजीद मीर के रूप में हुई है। प्रवक्ता ने कहा कि पूछताछ के दौरान, दोनों गिरफ्तार लोगों ने कबूल किया कि वे सोपोर के ब्रथ कलां के स्थानीय सक्रिय आतंकवादी बिलाल अहमद मीर के सहयोगियों के रूप में काम कर रहे थे, जो प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर से जुड़ा हुआ है।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला, दिल्ली सरकार के पास ट्रांसफर-पोस्टिंग का अधिकार

एलजी को माननी चाहिए सरकार की सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली का असली बॉस कौन, इस मामले को लेकर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व वाली सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने दिल्ली और केंद्र सरकारों के बीच सेवा विवाद के मामले में सर्वसम्मति से फैसला दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय राजधानी में प्रशासनिक सेवाओं पर नियंत्रण के लिए दिल्ली सरकार के पक्ष में फैसला सुनाया और माना कि नौकरशाहों पर उसका नियंत्रण होना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि सार्वजनिक व्यवस्था, पुलिस और भूमि को छोड़कर सेवाओं पर विधायी शक्ति है।

फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लोकतंत्र, संघीय ढांचा संविधान की मूलभूत संरचना का हिस्सा हैं। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) ने कहा कि न्यायाधीश अशोक भूषण के 2019 के फैसले से सहमति नहीं है कि दिल्ली के पास सेवाओं पर कोई अधिकार नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय का कहना है कि राज्यों के पास भी शक्ति है लेकिन राज्य की कार्यकारी शक्ति संघ के मौजूदा कानून के अधीन है। यह सुनिश्चित करना होगा कि राज्यों का शासन संघ द्वारा अपने हाथ में न ले लिया जाए।

सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि सेवाओं पर नियंत्रण सार्वजनिक व्यवस्था, पुलिस और भूमि से संबंधित प्रविष्टियों तक नहीं होगा। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि दिल्ली सरकार अन्य राज्यों की तरह प्रतिनिधि रूप का प्रतिनिधित्व करती है और संघ की शक्ति का कोई और विस्तार संवैधानिक योजना के विपरीत होगा। न्यायालय ने कहा कि निर्वाचित सरकार का प्रशासन पर नियंत्रण जरूरी है। सेवाओं को लेकर दिल्ली सरकार के पास विधायी और कार्यकारी शक्तियां हैं। सर्वोच्च न्यायालय का मानना ??है कि यदि प्रशासनिक सेवाओं को विधायी और कार्यकारी डोमेन से बाहर रखा जाता है, तो मंत्रियों को उन सिविल सेवकों को नियंत्रित करने से बाहर रखा जाएगा जिन्हें कार्यकारी निर्णयों को लागू करना है।

सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि दिल्ली सरकार दिल्ली के मतदाताओं द्वारा चुनी गई है और प्रतिनिधि लोकतंत्र के आगे के उद्देश्य के लिए इसकी व्याख्या की जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि सरकार के लोकतांत्रिक रूप में, प्रशासन की वास्तविक शक्ति निर्वाचित सरकार के पास होनी चाहिए। यदि लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकार को अधिकारियों को नियंत्रित करने की शक्ति नहीं दी जाती है, तो जवाबदेही की तिहरी श्रृंखला का सिद्धांत बेमानी हो जाएगा। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि अगर अधिकारी मंत्रियों को रिपोर्ट करना बंद कर देते हैं या उनके निर्देशों का पालन नहीं करते हैं, तो सामूहिक जिम्मेदारी का सिद्धांत प्रभावित होता है। अधिकारियों को लगता है कि वे सरकार के नियंत्रण से अछूते हैं, जो जवाबदेही को कम करेगा और शासन को प्रभावित करेगा।

राम राज इंटर कॉलेज में आयोजित रंगोली कार्यक्रम में छात्राओं ने किया प्रतिभाग

प्रतापगढ़।शिक्षा शिरोमणि पंडित मुनीश्वर दत्त उपाध्याय एवं रामराज शुक्ल के सपनों को साकार करता शिक्षा रूपी प्रकाश को उत्तरोत्तर बढ़ाने का कार्य करने में सफल पट्टी स्थित राम राज इंटर कॉलेज में आयोजित रंगोली कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा कही गई निम्न बातें,

कला ही है जिसमें मानव के मन में संवेदनाएं उभारने प्रवृत्तियों को ढालने तथा चिंतन को मोड़ने एवं अभिरुचि को दिशा देने की अद्भुत क्षमता होती है' उपरोक्त बातें रामराज इंटरमीडिएट कॉलेज पट्टी के प्रधानाचार्य श्री रमेश चंद्र मिश्र ने विद्यालय में आयोजित चित्रकला / रंगोली प्रतियोगिता के दौरान कही। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला विद्यालय निरीक्षक प्रतापगढ़ के निर्देशानुसार रामराज इंटरमीडिएट कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय

मिलेटस वर्ष 2023 के अंतर्गत चित्रकला / रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रधानाचार्य श्री रमेश चंद्र मिश्र ने रंगोली प्रतियोगिता में प्रतिभाग की हुई सभी छात्राओं को शुभकामना दी। स्वाति विश्वकर्मा को प्रथम स्थान,रिया सिंह को द्वितीय स्थान,नरगिस बानो को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ । चित्रकला / रंगोली प्रतियोगिता के दौरान राजेश दुबे, प्रमोद दुबे, नीलाभ, प्रशस्त त्रिपाठी, प्रकाश दत्त मिश्र, अरुण मिश्र, वेद प्रकाश उपाध्याय, प्रफुल्ल रावत ,उमाकांत तिवारी ,विनोद ,अमित बरनवाल ,आदि मौजूद रहे।

खंड शिक्षा अधिकारी अखिलेश वर्मा ने 3 विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया

आधुनिक समाचार सेवा

बारा। खंड शिक्षा अधिकारी एवं नंद कुमार यादव पूर्ति निरीक्षक के साथ कंपोस्ट विद्यालय घूरपुर, जसरा प्राथमिक विद्यालय कोटवारन का पूरा एवं कंपोस्ट पचखरा का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। विद्यालय के सभी स्टाफ उपस्थित रहे छात्र उपस्थिति नामांकन के सापेक्ष अच्छी नहीं पाई गई, सभी को नामांकन एवं प्रतिदिन उपस्थिति हेतु खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा फटकार लगाई गई। श्ञ्श मीनू के अनुसार संचालित पाई बाल गणना एवं परिवार निरीक्षण हेतु सभी विद्यालयों को समय से पूर्ण करने हेतु हिदायत दी गई। टाइम एवं मोशन का पूर्व अनुपालन हेतु सभी को निर्देशित किया गया। किसी प्रकार की लापरवाही हेतु कार्यवाही कर चेतावनी दी गई।

अधिकारीगण राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों का निस्तारण करायें-जनपद न्यायाधीश

आधुनिक समाचार सेवा
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 21 मई 2023 के सफल आयोजन हेतु जनपद न्यायालय के सभागार कक्ष में जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अब्दुल शाहिद की अध्यक्षता में राजस्व एवं अन्य वादों के निस्तारण हेतु बैठक सम्पन्न हुई।

जनपद न्यायाधीश अब्दुल शाहिद द्वारा वादों के निस्तारण से सम्बन्धित प्रगति समीक्षा करते हुये निर्देशित किया गया कि सभी अधिकारीगण उनके न्यायालय में लम्बित अधिक से अधिक मामले चिन्हित करें एवं आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत दिनांक 21 मई को अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण करने का प्रयास करें। पुलिस अधिकारियों को भी बैठक में निर्देशित किया गया कि वे न्यायालय व अन्य विभागों द्वारा प्रेषित सम्मनों की शत् प्रतिशत तामीला सुनिश्चित करें। माननीय जनपद न्ययाधीश द्वारा बैठक में पराविधिक स्वयं सेवकों के माध्यम से लोक अदालत में प्री-लिटिगेशन मामलों जैसे कि वैवाहिक मामलें के सुलह समझौते से निस्तारण के सम्बन्ध में उनकी भूमिका के सम्बन्ध में विस्तार से प्रशासनिक अधिकारीगण को बताया गया।

बैठक का संयोजन अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नीरज कुमार बरनवाल द्वारा किया गया। उन्होने बताया कि दिनांक 21 मई 2023 आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में विशेष रूप से आपराधिक शमनीय वाद, धारा 138 पराक्रम्य लिखित अधिनियम वाद, बैंक वसूली वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर याचिकायें, पारिवारिक वाद, श्रम वाद, भूमि अधिग्रहण वाद, विद्युत एवं जल बिल विवाद (चोरी से सम्बन्धित विवादों सहित), सर्विस में वेतन सम्बन्धित विवाद एवं सेवानिवृत्ति लाभों से सम्बन्धित विवाद, राजस्व वाद, अन्य सिविल वाद (किराया, सुखाधिकार, व्ययादेश, विशिष्ट अनुतोष वाद), आपसी सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित हो सकने वाले समस्त प्रकार के वादों का निस्तारण किया जायेगा।

बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी रोहित मिश्रा, उपजिलाधिकारी सदर शैलेन्द्र कुमार वर्मा, उपजिलाधिकारी रानीगंज सौम्य मिश्रा, उपजिलाधिकारी लालगंज उदयभान सिंह, उपजिलाधिकारी कुण्डा सतीश चन्द्र त्रिपाठी, अपर तहसीलदार सदर जावेद अन्सारी, तहसीलदार रानीगंज धर्मेन्द्र कुमार सिंह, तहसीलदार कुण्डा भानु प्रसाद सिंह, तहसीलदार लालगंज धीरेन्द्र कुमार, तहसीलदार सदर अरविन्द कुमार, अपर जिला सूचना अधिकारी सविता यादव, इन्सपेक्टर डीसीआरबी दिवाकर सिंह उपस्थित रहे।

बदमाशों ने आरएएफ जवान से की लूट, झोंका फायर

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। बदमाशों के हौसले बुलंद हो चुके है। आम जनता की रक्षा करने वाले सिपाही भी बदमाशों से नही बच पा रहे है। कही गोली का शिकार हो रहे है तो कही लूट का शिकार बन रहे है। बुधवार की रात शादी समारोह से लौट रहे आरएएफ सिपाही को कुछ बदमाशो ने रोक लिया और लूट की घटना को अंजाम दे दिया। बदमाश फायरिंग करते हुए मौके से भाग निकले । सिपाही ने थरवई थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

जानकारी के मुताबिक थरवई थाना क्षेत्र के हाईवे सिंगरामऊ के समीप बुधवार की रात शादी समारोह से वापस लौट रहे आरएएफ के जवान को बाईक सवार तीन बदमाशों ने रोक कर उसे मारापीटा और घायल कर दिया। बदमाशो ने जवान का पर्स और मोबाईल लूट लिए। जाते वक्त बदमाशों ने हवाई फायर किया और भाग निकले। घटना के बाद किसी तरह सिपाही थरवई थाने पहुंचा और घटना की तहरीर दी। जिसके बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है। फिलहाल थरवई पुलिस ने अभी तक घटना के बारे में कुछ भी नही बताया है।

हत्यारोपी धराया, भेजा गया जेल

प्रतापगढ़। मौसेरे भाई की हत्या का आरोपी सप्ताह भर की पुलिस मशक्कत के बाद बुधवार को दबोच लिया गया। उदयपुर थाना क्षेत्र मे पहली मई को ईश्वर सिंह का पुरवा कुम्भीआइमा निवासी स्व. राजनारायण सिंह के पुत्र ओमप्रकाश सिंह उर्फ पुराने ने लेनदेन के विवाद को लेकर अपने मौसेरे भाई सत्यप्रकाश सिंह उर्फ बब्लू 45 पुत्र रामनरेश सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

आरोपी ओमप्रकाश सिंह स्थायी तौर पर उन्नाव जिले के आदर्श नगर शुक्लागंज थाना गंगाघाट में निवास करता है। मृतक के भाई जयप्रकाश सिंह के द्वारा घटना को लेकर दी गई तहरीर मे पकडे गए आरोपी ओमप्रकाश सिंह तथा गांव के ही अमलदार सिंह के पुत्र विनोद कुमार सिंह व मुरली सिंह की पत्नी रंगीता के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपियो की तलाश मे जुटी थी कि बुधवार को साढे तीन बजे एसओ विजयकांत सत्यार्थी ने मुखबिरी सूचना पर फोर्स के साथ आरोपी ओमप्रकाश को प्रतापगढ़ रायबरेली सीमा के ननौती से देशी शराब के ठेके पर घेरकर दबोच लिया। आरोपी की तलाशी में एक तमंचा और एक कारतूस भी बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी को गुरूवार को जेल भेज दिया। एसओ का कहना है कि वांछित अन्य आरोपियो को भी शीघ्र जेल भेजा जाएगा।

सीधे प्रवेश
नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
15% Fee Concession
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)
पहले आओ पहले पाओ
15% Fee Concession

कम्प्यूटर हार्डवेयर
डाटा इंट्री ऑपरेटर
फायर सेफ्टी
कम्प्यूटर ऑपरेटर (कोपा)
कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग
इलेक्ट्रीशिन
सीएनसी प्रोग्रामिंग
इलेक्ट्रिक मैकेनिक
बेसिक कम्प्यूटिंग
सीसीए
वेल्डर
फिटर
रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
सिक्योरिटी सर्विस
Apply Online: www.nainiiti.com
प्रवेश हेल्पलाइन नं.:
8081180306 ,9415608710 ,8103021873
एमटेक कैम्पस, 'बी' ब्लाक, ए.डी.ए. कालोनी (पुलिस चौकी के पीछे), नैनी, प्रयागराज।
C-41 औद्योगिक थाने के पीछे औद्योगिक क्षेत्र UPSIDC नैनी, प्रयागराज।

नगर पालिका परिषद चुनाव में सुबह से मतदाताओं ने किया मतदान

आधुनिक समाचार सेवा

मिर्जापुर। नगर पालिका परिषद चुनाव में अध्यक्ष एवम सभासद के लिए मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। नगर पालिका घण्टाघर चौराहे के पास मतदान केंद्र माता प्रसाद माता भीख इंटर कालेज में बूथ संख्या 222 पर सुबह 8.30 पर 735 वोटरों में 75 वोटरों ने वोट किया इसी प्रकार बूथ संख्या 240 पर 874 वोटरों में 71 ने वोट किया बूथ संख्या 241 पर 882 वोटरों में 52 ने बूथ संख्या 167 पर 613 वोटरों में 44 एवम बूथ संख्या 109 में 412 वोटरों में 18 वोटरों ने वोट किया। जैसे जैसे समय बीता इसके बाद वोटरों की भारी संख्या विभिन्न बूथो पर वोट के लिए पहुचने लगे।

जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने नगर निकाय चुनाव में किया मतदान मिर्ज़ापुर। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने नगर निकाय चुनाव में बिसुंदरपुर इंटर कॉलेज के पोलिंग

बूथ संख्या 17 पर स्वयं का महिलाओं की लाईन में कतारबद्ध होकर वोट डालने के लिए अपने नम्बर का इंतजार करती हुए वोट डाला। वोट डालने के बाद पिंक/ महिला बूथ पर सेल्फी प्वाइंट पर व स्वयं सेल्फी लिया।

मण्डलायुक्त डॉ मुथु स्वामी मिर्ज़ापुर उत्तर प्रदेश के बने मतदाता नगर निकाय चुनाव में किया मतदान मण्डलायुक्त डॉ मुथू स्वामी बी ने मिर्ज़ापुर उत्तर प्रदेश के मतदाता के रूप में नगर निकाय सामान्य निर्वाचन में

पोलिंग संख्या 14 बरौधा पर मंडलायुक्त मुथुकुमार स्वामी बी. ने किया मतदान।

मिर्ज़ापुर नगर निकाय सामान्य निर्वाचन के मतदान केंद्रों का जिलानिर्वाचन अधिकारी/ जिलाधिकारी दिव्या मित्तल एवम पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्र ने भर्मण किया जिसमें नगर के प्राथमिक विद्यालय फतहा, जुबली इंटर कालेज व डेफोडिल तरकापुर, संस्कृत विद्यालय बरियाघाट, घंटाघर, माया प्रसाद माताभीख इंटर कालेज , बी एल जे कालेज ,बसन्त विद्यालय के बी कालेज एवम नगर के अन्य महत्वपूर्ण मतदान केंद्र प्रमुख रूप से रहे। जिलाधिकारी ने बताया कि संवेदनशील बूथो पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि दिल्ली से केंद्रीय पुलिस बल भी हमारे पुलिस के साथ सुरक्षा हेतु भर्मण कर रहे है।

बच्चों को मोबाइल से दूर रहने का संदेश देती 'निम्मो लखनऊ वाली'

आधुनिक समाचार सेवा

लखनऊ। मोबाइल की जद में फंस चुके किशोरों व बच्चों की आंखें खोलने वाली फिल्म 'निम्मो लखनऊ वाली' को गुरुवार को लुलु मॉल में रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म के जरिए बच्चों व किशोरों को फोन से दूर रखने की कोशिश की गई है। लेखक, निर्माता व निर्देशक जुनैद अली ने फिल्म में वह सब कुछ समाहित कर रखा है जिससे 'निम्मो लखनऊ वाली' बच्चों व किशोरों के दिलों में घर कर जाए। साथ ही समाज में एक बदलाव की दिशा में कार्य करे। एक घण्टे 54 मिनट की इस फिल्म में कॉमेडी, ड्रामा व

इमोशनल सीन हैं, जो कहीं भी ऊबन नहीं महसूस होने देंगे। कुल मिलाकर 'निम्मो लखनऊ वाली' सामाजिक संदेश देते हुए हंसने-हंसाने वाली फिल्म है। जिसे सभी माता-पिता को अपने बच्चों व किशोरों को दिखाना चाहिए।

कैलाश खेर व शान के गानों से सजी है फ़िल्म निर्देशक जुनैद अली ने बताया कि फिल्म गायक कैलाश खेर, शान, शालिमली खालगोड़े, सुप्रिया पाठक और सौरभ दास की मधुर आवाज में गाए गानों से सजी है। कलाकारों की शानदार एक्टिंग का मुजायरा फिल्म में नामी कलाकारों की मौजूदगी दिख रही है। जिसमें वृजेश हिरजी, किश्वर मर्चेंट, राजेश जैस, मिद्दत खान, अनिल रस्तोगी और रमेश गोयल जैसे कलाकार हैं।

गढ्ढों में तब्दील हुआ चिलबिली मार्ग, राहगीरों का चलना हुआ दुश्वार

अमेठी। जनपद के शाहगढ़ विकास खंड की प्रमुख सड़कें गढ्ढे में तब्दील हो चुकी हैं, जिनका कोई सुधि लेने वाला नहीं हैं। जिस पर आये दिन राहगीर चोटहिल हो रहे हैं। जिसकी वजह से कई परिवारों की खुशियां भी छिन गई हैं। इसके जिम्मेदार कुंभकर्णी नींद सो रहे हैं। गौरतलब हो कि विकास खंड मुख्यालय को जोड़ने वाली प्रमुख सड़क में से एक अस्पताल तिराहा शाहगढ से चिलबिली मार्ग विभागीय उपेक्षा का शिकार हैं। जो सड़क गढ्ढों में तब्दील हो चुकी हैं। जिस पर

राहगीर चोटहिल हो रहे हैं। इस पर घटित घटनाओं से कई परिवारों की खुशियां भी छिन चुकी हैं। यह सड़क क्षेत्र की वयस्तम सड़कों में से एक हैं। जिस पर प्रतिदिन काफी संख्या में लोगों की आवाजाही बनी रहती हैं। क्षेत्रीय नागरिक पप्पू मिश्रा, मनोदत्त यादव गोली, राजू शुक्ला, सी बी सिंह, मथुरा प्रसाद कश्यप, ध्रुव राज यादव, सुरेश कुमार पूर्व प्रमुख, राम गणेश, जमुना प्रसाद यादव आदि ने मुख्यमंत्री से सड़क की मरम्मत कराये जाने की मांग की हैं।

जीबीटीआई कॉलेज में कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन, 48 विद्यार्थियों का चयन

आधुनिक समाचार सेवा

मदरसन ऑटोमोटिव इंडिया प्रा. लिमिटेड और केएचवाई इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया प्रा। लिमिटेड इस कैंपस ड्राइव में 80 में से 48 छात्रों का चयन किया गया। इस कैंपस प्लेसमेंट में पॉलिटेक्निक इंजीनियरिंग डिप्लोमा मैकेनिकल एंड इलेक्ट्रिकल ब्रांच 2021 और 2022 बैच के पास आउट छात्रों ने भाग लिया। छात्रों को लिखित परीक्षा और साक्षात्कार से गुजरना पड़ा तब 80 छात्रों में से 48 का चयन किया गया। मदरसन ऑटोमोटिव इंडिया प्रा. लिमिटेड के 27 छात्रों का चयन किया गया है और उन्हें प्रति वर्ष 1.80 लाख का पैकेज मिला है और केएचवाई इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया प्रा। लिमिटेड के 21 छात्रों का चयन किया गया और उन्हें प्रति वर्ष 1.50 लाख का पैकेज मिला। चयनित उम्मीदवारों में आयुष केसरवानी, गहना श्रीवास्तव, हर्ष पाठक, दुष्यंत चतुर्वेदी, हिमांशु त्रिपाठी, दिव्या यादव, यशमीत श्रीवास्तव, सौरव तिवारी, मनोज

कुमार पाटे, उत्कर्ष, गणेश कुमार सिंह, युसूफ कलाम, रितु राज, अनुभव शर्मा, अमित कुमार बिंद हैं. और दूसरे। इस चयन से जीबीटीआइ के अन्य अभ्यर्थी भी काफी उत्साहित हैं। जीबीटीआई के निदेशक श्री अबरार अहमद ने चयनित छात्रों को उनके चयन के लिए बधाई दी है।

जीबीटीआई के निदेशक श्री अबरार अहमद ने बताया है कि इस संस्थान में हर साल कई कंपनियां कैंपस ड्राइव आयोजित करती हैं, और व्यापक श्रेणी के छात्रों का चयन किया जाता है। कई कंपनियों ने सिर्फ इंटरव्यू से ही छात्रों की परीक्षा ली और कुछ ने इंटरव्यू के साथ लिखित परीक्षा भी ली। ऊँछ से चयन का कारण इस संस्थान में अच्छा शिक्षण है। श्री अबरार अहमद ने यह भी बताया कि जीबीटीआइ छात्रों के संपूर्ण व्यक्तित्व विकास के लिए रचनात्मक गतिविधियों की पेशकश करता है, इसके लिए जीबीटीआई हर साल कई तरह के कार्यक्रम आयोजित करता है। इतना ही नहीं जीबीटीआई शिक्षण गुणवत्ता को पहले से बेहतर बनाने के लिए भी हर संभव प्रयास कर रहा है। जीबीटीआई की यह विशेषता है कि देश-विदेश में छात्र राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय कंपनियों में नौकरी कर रहे हैं।

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान और केंद्रीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद ने संयुक्त रूप से आयुष में अनुसंधान और शिक्षा के लिए एक इंटरएक्टिव सम्मेलन का आयोजन किया

लखनऊ।अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) और केन्?द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद् ने संयुक्त रूप से आज आयुष में अनुसंधान और शिक्षा के लिए एक इंटरैक्टिव सम्मेलन का आयोजन किया। बैठक में सभी आयुष राष्ट्रीय संस्थानों, अनुसंधान, परिषदों के प्रमुखों और एमओए के सलाहकारों, एनसीएसआईएम और एनसीएच के अध्यक्ष सहित पांच नव-प्रतिष्ठित नियुक्त वैज्ञानिक और मुख्य अतिथियों में आयुष प्रतिष्ठित वैज्ञानिक अध्यक्ष डॉ. नंदिनी के. कुमार (अंतःविषय नैदानिक अनुसंधान), डॉ. अरविंद चोपड़ा, (सार्वजनिक स्वास्थ्य और महामारी विज्ञान), डॉ. शर्मिला शेखर मांडे (आयुर्वेद बायोलॉजी एंड बेसिक साइंसेज), डॉ. मधु दीक्षित (फार्मास्युटिकल ड्रग डेवलपमेंट) और डॉ. बी.एन. गंगाधर (चेतना और संज्ञानात्मक विज्ञान) आयुष प्रतिष्ठित वैज्ञानिक अध्यक्षों ने भाग लिया।

यह सम्मेलन आयुष मंत्रालय के सचिव राजेश कोटेचा, विशेष सचिव पी.के. पाठक और प्रो (डॉ) तनुजा नेसारी, निदेशक, एआईआईए, प्रो. (वीडी) रबिनारायण आचार्य, महानिदेशक (सीसीआरएएस) एमडीएनआईवाई के निदेशक डॉ. ईश्वर वी. बसवराड्डी और मंत्रालय के सभी सलाहकार, राष्ट्रीय संस्थान और अनुसंधान परिषदों के निदेशक की उपस्थिति में हुई।

इंटरएक्टिव सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य वैचारिक मंथन और

अकादमिक और अनुसंधान के मार्ग में अध्यक्षों की विशेषज्ञता और अनुभव से लाभ उठाते हुए लक्ष्य निर्धारित करना। प्रतिभागियों ने स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों स्तरों पर आयुष कॉलेजों में अनुसंधान शैसिक पारिस्थितिकी तंत्र पर चर्चा की। बैठक आयुष क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास, शिक्षा और क्षमता निर्माण पर केंद्रित था .

आज हम सभी यहां इसलिए एकत्रित हुए हैं ताकि हम संयुक्त रूप से उत्कृष्ट चेयर की विशेषज्ञता ज्ञान का उपयोग कैसे कर सकते हैं और भविष्य के लिए लक्ष्य स्थापित कर सकें। ण्दन् ने आयुष के लिए उनके विज्ञान का विकास करने का अवसर प्रदान किया था और हमने आयुष 64 जैसे प्रभावशाली दवा का विकास करके यह सिद्ध भी किया। मैं वरिस्ट अधिकारिओ से अनुरोध करूँगा कि हम बैठक में ये भी चर्चा करें कि हम कैसे युवा शोधकर्ता के लिए आयुष विज्ञान का उपयोग कैसे बढ़ा सकते हैं जो देश और दुनिया की मदद करेगा,' वैद्य राजेश कोटेचा, सचिव, आयुष मंत्रालय ने कहा।

सभी का स्वागत करते हुए, प्रोफेसर (डॉ.) तनुजा नेसरी,ँर्ईं के निदेशक ने कहा, 'यह एक ऐतिहासिक पल है जब प्रशासक, नीति निर्माता, शिक्षा विशेषज्ञ, शोधकर्ता और प्रतिष्ठित वैज्ञानिक एक प्लेटफ़ॉर्म पर एकत्रित हुए हैं। यह अवसर आयुष मंत्रालय द्वारा प्रदान किया गया है और हम इसके लिए मंत्रालय का आभार प्रकट करते है। हम बहुत समय से साथ काम कर रहे हैं, लेकिन यह हमारी पहली आधिकारिक मुलाकात है, और यह सबसे बड़ा मौका है कि हम एक दूसरे की सफलता की कहानियों से प्रेरणा ले और उससे अपनी कमियों को पूरा करे। यह प्लेटफ़ॉर्म हमें एक आधारित आयुर्वेदा का निर्माण करने का अवसर देगा.

जब हम आयुष को चीनी वैकल्पिक उपचार पद्धति के साथ तुलना करते हैं, तो इससे हमे ये समझ आता है की आयुर्वेद में बहुत क्षमता है और ये आने वाले समय में बहुत उचाईयो तक जाएगा। कोविड के समय में आयुष प्रणाली ने चीनी चिकित्सा प्रणाली की तुलना में अधिक काम किया है. यह सही समय है हमारे लिए कि हम अपना ध्यान अनुसंधान करने में लगाए और आयुष की सीमा और छमताओ को दुनिया को दिखाए,' कहते हैं प्रो. वैद्य रबीनारायण आचार्य, महानिदेशक, सी सी आर ए एस।

मोटा अनाज के पैदावार से भारत होगा समृद्धशाली- दीपक मिश्रा 'शाका'

देंवरिया। भाजपा किसान मोर्चा देवरिया द्वारा श्री अन्न (मोटा अनाज) के पैदावार को बढ़ावा देने के लिये मिलेट्स उत्सव का शुभारम्भ बरहज विधानसभा के जरार मानिक गांव से किया गया।

मिलेट्स उत्सव के शुभारम्भ में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित बरहज विधायक दीपक मिश्रा शाका ने कहा कि मोटा अनाज के पैदावार से भारत समृद्धशाली होगा और देश के किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ होगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश मे मोटे अनाज के पैदावार को बढ़ावा देने के लिये मोटे अनाज को श्री अन्न का नाम देते हुए केंद्रीय बजट में 2200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है, जिससे मोटा अनाज हर घर की थाली तक पहुँच सके।

भाजपा किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष पवन कुमार मिश्र ने कहा कि उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने उत्तरप्रदेश में मोटे अनाज के पैदावार को बढ़ावा देने के लिये उत्तरप्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार योजना के अंतर्गत

उत्तरप्रदेश के किसानों को निःशुल्क मडुआ का बीज उपलब्ध कराने का फैसला लिया है, जिससे प्रदेश में मोटे अनाज का उत्पादन बढेगा और प्रदेश का किसान खुशहाल होगा।

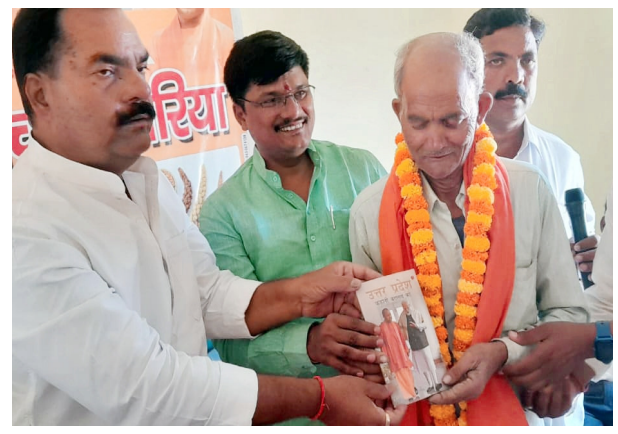

ब्लाक प्रमुख छठु यादव ने कहा कि किसान मोर्चा के इस पहल से निश्चित रूप से किसान जागरूक होंगे और मोटे अनाज की पैदावार बढ़ेगी।

इस अवसर पर प्रगतिशील कृषक बीरबल यादव और सुरेश खरवार को बरहज विधायक ने अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया और 51 किसानों में निःशुल्क मडुवा बीज वितरित किया।

कार्यक्रम के अंत मे सभी ने मोटे अनाज से बने सहभोज में भाग लिया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से अष्टभुजा श्रीवास्तव, जितेंद्र सागर, राकेश सिंह, काशीपति शुक्ल, मुकेश राय, वाई के तिवारी, सुनील चतुर्वेदी, विद्यासागर मिश्र, रविन्द्र तिवारी, विजयनाथ उपाध्याय, कृष्णमुरारी, विषय बस्तु विशेषज्ञ ओंकार नाथ दुबे, सहायक विकास अधिकारी कृषि कृष्ण मोहन प्रसाद, प्रभारी बीज भंडार मुकेश सिंह, विकास आदि उपस्थित रहे।

श्रीमद् भागवत कथा के प्रथम दिन निकाली गई विशाल कलश यात्रा

प्रतापगढ।बाबागंज विकास क्षेत्र के ग्राम रघुवर मेआज सुबह महिलाओं ने अपने सिर पर भगवान का कलश रखकर अनेकों गांव जैसे रघुवर धनगढ़ साहेब अतेरू अर्जुन अतेरु वरिष्ठा गांव घूम कर अपने श्रीमद् भागवत कथा पंडाल पर पहुंचे कलश यात्रा के मुख्य जजमान श्रीमती लता

तिवारी पत्नी /स्वर्गीय श्री राधेश्याम तिवारी/ रामाशंकर तिवारी उर्फ बबलू पंडित /पूर्व प्रधान विकास सिंह /रजत ओझा/ प्रधान राज कुमार धुरिया /कृष्णकांत/ शिवाकांत/ शिवम /अंश तिवारी /आज लोगों के साथ कथावाचक महंत श्री श्री 108 रामानंद जी महाराज परमहंस आश्रम वासुदेव घाट अयोध्या एवं आचार्य श्री नागेंद्र जी महाराज द्वारा कलश यात्रा के बाद प्रतिदिन कथा का आयोजन 11 मई से प्रारंभ कर 19 मई दिन शुक्रवार तक कथा का शुभारंभ होता रहेगा श्रीमद् भागवत कथा कपूर हित हवन श्री गया जगन्नाथ जी महाराज के भारत का समापन दिनांक 19 मई दिन शुक्रवार को महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा

उप निरीक्षक और दो सिपाहियों के खिलाफ दर्ज हुआ अभियोग

प्रतापगढ़।सब इंस्पेक्टर राम अनुज यादव समेत 2 अज्ञात सिपाहियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज, आइपीसी की धारा गैर इरादतन हत्या के प्रयास 308 समेत 323 व 504 के तहत जिस थाने में तैनाती है उसी में दर्ज हुआ मुकदमा। वाहन चेकिंग के दौरान तीनों ने बाइक से घर जा रहे युवक को रोककर चेकिंग के दौरान मारपीट गालीगलौज करने का आरोप, घायल युवक का गम्भीर हालत में प्रयागराज में चल रहा है इलाज। आलाधिकारियों के हस्तक्षेप पर दर्ज हुआ मुकदमा, देलहूपुर थाने के बरसंडा पुल के पास की घटना।

इन्फ्लुएंजा से बचाव नहीं है मुश्किल, रखें इन बातों का ध्यान

इन्फ्लुएंजा को हम फ्लू के नाम से भी जानते हैं। यह एक विशेष समूह के वायरस के कारण मानव समुदाय में होने वाला एक संक्रामक रोग है। इसकी शुरुआत खांसी, जुकाम और हल्के बुखार के साथ होती है। ध्यान न दिया जाए तो ये बीमारी घातक रूप धारण कर लेती है। हम अकसर ये सोच कर लापरवाही कर बैठते हैं कि खांसी जुकाम ही तो है, लेकिन इस लापरवाही का भुगतान शरीर को उठाना पड़ता है।

इन्फ्लुएंजा क्या है : इन्फ्लुएंजा एक तरह का वायरस है, जो हमारे श्वसन तंत्र का एक अत्यंत संक्रामक रोग होता है। फ्लू तीन प्रकार का होता है ए,बी,सी। इनमें से ए और बी इन्फ्लुएंजा का कारण बनता है, जबकि टाइप सी भी फ्लू के लक्षणों को दर्शाता है, लेकिन इस तरह का फ्लू कम देखने को मिलता है। इन्फ्लुएंजा वायरस हमारे शरीर में नाक,आंख और मुंह द्वारा प्रवेश करता है। साथ ही ये एक से दूसरे व्यक्ति में खांसने, छींकने या उसके संपर्क में रहने से फैल जाता है। यदि घर में कोई एक सदस्य इस बीमारी से पीड़ित हो गया है तो और सदस्य भी इससे अछूते नहीं रह पाते। **इसके लक्षणः** 1.इसमें अकसर थकान महसूस होती है और शरीर अस्वस्थ रहता है। 2.गले में कफ का जमाव रहता है, कुछ भी निगलने में दिक्कत आती है। 3. बेहद कमजोरी महसूस होने लगती है। थोड़ा चलने पर या कोई कार्य करने पर चक्कर आने लगते हैं। 4. ठंड लगती है, साथ ही बुखार होता है। बुखार तेज या कम हो सकता है। बुखार 100 से 103 डिग्री तक हो सकता है। लेकिन जैसे-जैसे बीमारी बढ़ती है, वैसे-वैसे बुखार 106 डिग्री तक पहुंच जाता है। 5. काफी नजला हो जाता है। बेहद छींकें आती हैं। सांस लेने में परेशानी महसूस होने लगती है, साथ ही सांस फूलने लगती है। 6.त्वचा नीली पड़ने लगती है। 7.मांसपेशियों में दर्द और सिरदर्द होने लगता है। **क्या है उपचारः** 1. ऊष्मा का प्रयोग इस बीमारी में हुई अकड़न और दर्द से राहत पहुंचाता है। इलेक्ट्रिक हीटिंग पैड उपयोग करें या फिर बोतल में गर्म पानी भरकर छाती, पीठ या जहां दर्द हो, वहां पर रखें। 2.बुखार होने से शरीर में निर्जलीकरण हो जाता है। इस कमी को पूरा करने और बीमारी से निजात पाने के लिए सामान्य से अधिक तरल पदार्थ लेने की जरूरत होती है। गर्म तरल पदार्थ जैसे कि चाय या गुनगुना नीबू पानी पीजिए। इससे शरीर में जल की पूर्ति के साथ-साथ गले को आराम मिलता है तथा साइनस साफ होने में आसानी होती है। 3.पानी में अजवाइन डालकर तब तक उबालें, जब तक पानी आधा न रह जाए। पानी का सेवन समय-समय पर करते रहें। सामान्य पानी का सेवन भी उबाल कर ही करें। 4.जड़ी-बूटियां(हर्ब्स) बीमारी में शरीर का तापमान कम करने में सहायक मानी जाती हैं। इन्हें काढ़े के रूप में लें। 5.इसमें ठंडा और बासी खाने से दूरी बना कर रखें। शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थों का सेवन करें। 6.गर्म पानी से स्नान कीजिये, गर्म पानी की भाप से कफ ढीला होता है। 7.सबसे ज्यादा जरूरी है कि बीमार पड़ने पर अपनी स्वच्छता पर ध्यान दें, तभी जल्द ठीक हो पाएंगे, जैसे हाथ धोकर खाना खाएं। साथ ही उन्हें धोने के बाद सुखा लें। 8.यदि आप रोज व्यायाम करते हैं तो इस तरह के व्यायाम करें, जिनसे आपका शरीर थकान महसूस न करे। 9.अपने शरीर को जितना हो सके, आराम दें। 10.नाक बंद होने पर सिर के नीचे तकिया रखकर सोने से आराम मिलता है। 11.ऐसे में स्टीम लेना बेहद फायदेमंद साबित होता है, क्योंकि आपको जुकाम होने के कारण सांस लेने में तकलीफ होती है तो स्टीम से आपकी नाक भी खुलती है, साथ ही कफ नीचे उतरता है। **लापरवाही न बरतें:** 1.युवा, बच्चों तथा 65 की उम्र से अधिक के बुजुगोंर् में जटिलता हो सकती है। 2. गर्भवती महिलाओं को भी फ्लू का खतरा ज्यादा रहता है। 3. इन्फ्लुएंजा से निमोनिया, कान में संक्रमण, साइनस संक्रमण और ब्रोंकाइटिस का खतरा बढ़ जाता है। 4. यदि उच्च श्रेणी का फ्लू हो तो एंटीवायरल दवाएं उपयुक्त रहती हैं, अन्यथा व्यक्ति की मौत भी हो सकती है। **चेतावनी :** डॉक्टर को दिखाएं, अगर फ्लू में 102 डिग्री से ज्यादा बुखार, छाती में दर्द, सांस लेने में तकलीफ या मूर्च्छा जैसे लक्षण दिखें। इसके अलावा लक्षणों में 10 दिनों के भीतर सुधार न दिखाई देने पर या उनके काफी खराब होने पर भी डाक्टर को दिखाएं। **बचाव के लिए जरूरी कदम :** मौसम के पहले टीकाकरण करवाएंः इन्फ्लुएंजा का टीका अकसर डॉक्टर द्वारा दिया जाता है। ये फ्लू न होने की गारंटी तो नहीं देता, परन्तु अन्य प्रकार के वायरस से रक्षा करता है। साफ-सफाई पर ध्यान दें : नित्य हाथ धोने की आदत डालिए, विशेष रूप से सार्वजनिक स्थान से वापस आने पर हाथ धोना, इंन्फ्लुएंजा से संक्रमित होने से बचने का बेहतरीन तरीका है। हमेशा अपने साथ जीवाणुरोधी वाइप्स रखिये, जिनका उपयोग ऐसी जगह पर किया जाता है, जहां साबुन और सिंक न हो। स्वस्थता पर ध्यान दें : अच्छा आहार, शरीर के आवश्यक पोषक तत्व तथा विटामिन की पूर्ति, शारीरिक व्यायाम इत्यादि इन्फ्लुएंजा से रक्षा में सहायक हैं। अगर फिर भी इसका हमला हो तो शरीर बीमारी से निबटने के लिए तैयार रहता है।

कई बीमारियों को दूर रखेंगे ये ठंडी तासीर वाले मुरब्बे

पोषक तत्वों और एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर मुरब्बे हमारे स्वास्थ्य के लिए ही फायदेमंद नहीं, खूबसूरती बढ़ाने में भी सहायक हैं। ये हमारे शरीर को एनर्जी देने के साथ-साथ इम्यूनिटी बूस्टर का भी काम करते हैं। आयुर्वेद और यूनानी चिकित्सा में तो इन्हें दवा की तरह इस्तेमाल किया जाता है। ठंडी तासीर लिए इन मुरब्बों का इस्तेमाल गर्मी के मौसम में कई बीमारियों को दूर रखने में सहायक है। **आंवला मुरब्बाः** गोलाकार, पीले और हरे नीबू के आकार का आंवला विटामिन सी, अमीनो एसिड, लिपिड और तांबा, जस्ता जैसे मिनरल्स का भंडार है। इसके नियमित सेवन से हमारे पाचन तंत्र और इम्यून सिस्टम मजबूत होते हैं। यह फेफड़ों को मजबूती देता है। इसके इस्तेमाल से सांस संबंधी संक्रामक बीमारियों से लड़ने में मदद मिलती है। यह एंटीऑक्सीडेंट गुणों के कारण हृदय, लीवर संबंधी बीमारियों की रोकथाम में लाभदायक है। आंवले के मुरब्बे में मौजूद विटामिन सी शरीर में कैल्शियम और आयरन के अवशोषण को बढ़ावा देता है। इससे सर्दी-जुकाम और कफ में आराम मिलता है और हड्डियां, दांत, नाखून और बाल मजबूत और स्वस्थ होते हैं। इसके इस्तेमाल से कोलेजन फाइबर के गठन में मदद मिलती है, जो जोड़ों के दर्द में आराम पहुंचाता है। यह पाचन प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाने में सहायक और पेट दर्द, अम्लता, कब्ज या पेट में गैस, उल्टी, सिर दर्द जैसी पेट संबंधी समस्याओं में फायदेमंद है।

यह एक रासायनिक टॉनिक है, जिससे बच्चों की याददाश्त और एकाग्रता बढ़ती है। यह गर्भवती महिलाओं में खून की कमी तथा रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी को दूर करता है। बाल झड़ने, बाल असमय सफेद होने जैसी समस्याओं में मुरब्बे का सेवन काफी कारगर है। इससे कफ और पित्त में आराम मिलता है। हमारे शरीर में बढ़ती उम्र के साथ पड़ने वाली झुर्रियों, नजर कमजोर होने जैसे प्रभावों को भी यह कम करता है।

गाजर का मुरब्बाः एंटीऑक्सीडेंट तत्वों से भरपूर गाजर के मुरब्बे के नियमित सेवन से हाई ब्लड प्रेशर और हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा कम रहता है। यह लंबी बीमारी के बाद शरीर को तंदुरुस्त बनाने में सहायक साबित होता है। शरीर में आयरन की पूर्ति कर खून की कमी को पूरा करता है और स्फूर्ति प्रदान करता है। शीतल प्रभाव के कारण गाजर का मुरब्बा पेट की जलन, दर्द, भूख न लगने जैसी पेट की तकलीफों में भी आराम पहुंचाता है। इसमें मौजूद बीटा कैरोटीन और विटामिन ए जैसे पोषक तत्व कैंसर और रतौंधी को रोकने में मदद करते हैं। यह आंखों की रोशनी बढ़ाने में सहायक है। बीटा कैरोटीन सूरज की यूवी किरणों से त्वचा को होने वाले नुकसान को कम करता है।

कच्चे आम या केरी का मुरब्बाः फिनोलिक नामक एंटीऑक्सीडेंट गुण से भरपूर आम का मुरब्बा शरीर में रोग-प्रतिरोधक क्षमता के विकास में सहायक है। यह अम्लता और पाचन प्रणाली में गड़बड़ी के इलाज में मदद करता है। बैक्टीरियल संक्रमण, कब्ज, दस्त, पेचिश की स्थिति में इस मुरब्बे के सेवन से आराम मिलता है। इसमें मौजूद विटामिन ए, बीटा कैरोटीन, विटामिन ई और सेलेनियम हृदय रोग के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करते हैं। यह नेत्र विकारों के इलाज में भी मददगार है। इसमें आयरन तत्व काफी मात्रा में मिलते हैं। इसके सेवन से शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर नियंत्रित रहता है। यह एनीमिया से पीड़ित व्यक्ति और गर्भवती महिलाओं के लिए फायदेमंद है। कैलरी और कार्बोहाइड्रेट की अधिकता वाला आम का मुरब्बा वजन बढ़ाने और शरीर को तंदुरुस्त रखने के इच्छुक व्यक्तियों के लिए फायदेमंद है। यह एनर्जी बूस्टर का काम करता है।

हरड़ का मुरब्बाः हरड़ के मुरब्बे के नियमित सेवन से चोट या घाव होने पर जल्द आराम मिलता है। यह सूजन को कम करता है। यह भूख न लगने, पेट में कीड़े होने और पाचन संबंधी समस्याओं में राहत दिलाता है। जठरांत्र रोगों, ट्यूमर, बवासीर, मूत्र विकारों और मूत्राशय की पथरी में हरड़ के मुरब्बे का सेवन काफी लाभदायक होता है। मुरब्बे को गुड़ के साथ सेवन करने पर गठिया में सुधार हो सकता है।

बेल का मुरब्बाः बेल में मौजूद टेनिन और रेचक गुण पेचिश, हैजा, डायरिया जैसी स्थितियों में प्रभावकारी हैं। विटामिन और खनिज तत्वों से समृद्ध इस मुरब्बे का नियमित सेवन पेट के रोगों के खिलाफ लड़ने में प्रभावी भूमिका अदा करता है व पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है। **सेब का मुरब्बा दिल का साथीः** यह दिल के लिए एक स्वस्थ नुस्खा है। सुबह खाली पेट सेब का मुरब्बा खाकर हृदय रोग के जोखिम को कम किया जा सकता है। इसमें मौजूद फ्लेवोनॉयड फेफड़ों के कैंसर के जोखिम को कम करता है। शरीर की शिथिलता और मानसिक तनाव को नियंत्रित रखता है। रात में गर्म दूध के साथ सेब का मुरब्बा लेने से अनिद्रा की स्थिति पर काबू पाया जा सकता है।

गठिया के पेशेंट को यूं दें आराम, उन्हीं के हिसाब से लगाएं घर का सामान

गठिया या आर्थराइटिस की समस्या इतनी आम है कि यह हमारे-आपके परिवार में से किसी को भी हो सकती है। वैसे तो कहा जाता है कि गठिया 40 से ऊपर के लोगों को ही परेशान करता है, लेकिन अब युवाओं और बच्चे को भी गठिया की परेशानी सताने लगी है। डेली लाइफ में बहुत से ऐसे काम होते हैं, जिन्हें

करना आर्थराइटिस के रोगियों के लिए झंझट से कम नहीं होता। ऐसे में किचन, स्टोर और बाथरुम आदि की सेटिंग अगर रोगी को ध्यान में रखकर की जाए, तो उसकी जिंदगी को सरल बनाया जा सकता है। आर्थराइटिस की समस्या में पेशेंट के लिए चलना, जोड़ों को बार-बार मोड़ना, झुकना, भार उठाना आदि मुश्किल होता है। ऐसे में घर के अंदर जरूरी बदलाव करके रोगी के लिए काम को आसान बनाया जा सकता है।

हल्के सामान का करें इस्तेमाल : ऑर्थराइटिस के रोगी को ध्यान में रखकर अगर घर में बदलाव किए जाएं, तो इस सर्दी भरे मौसम में उन्हें काफी राहत दी सकती है। पुराने तार के भारी हैंगर की जगह अगर घर में प्लास्टिक या लकड़ी के हैंगर रखे जाएंगे, तो पेशेंट के लिए उन्हें पकड़ना आसान हो जाएगा। तार के पुराने हैंगर पर कपड़े डालने से हाथों पर काफी जोर पड़ता है क्योंकि वे बारबार फिसलते रहते हैं। ऐसे में प्लास्टिक और लकड़ी के हैंगर इसके लिए बेस्ट ऑप्शन है। इतना ही नहीं, डेली में काम आने वाली चीजें जैसे कपड़े, जूते, एक्ससरीज को अलमारी के ऊपर वाली शेल्फ में ही रखना चाहिए। ताकि रोगी को बार-बार सामान निकालने के लिए झुकना न पड़े। **दवाई लेना बनाएं आसान :** ध्यान रखें कि पेशेंट को दवाई लेने के लिए किसी पर निर्भर न रहना पड़े। ऐसे में पेशेंट की सभी दवाइयां एक बॉक्स में रख कर उनके पास ही रख दें, जिससे पेशेंट को मशक्कत न करनी पड़ी। साथ ही इसका फायदा ये भी है कि रोज की दवाई चार्ट बन जाने से दवाई स्कीप नहीं की जा सकती। दवाई बॉक्स को रोगी की पास ही रखें इससे उन्हें बार-बार जोड़ों पर दबाव डालने की जरूरत नहीं पड़ेगी। **यूज करें थोड़ी चीज :** महीने की शुरुआत होते ही अकसर लोग घर का सारा सामान एक बार में ही भर लेते हैं, ताकि बार-बार डालने का झंझट न रहे। ऐसे में वे भारी हो जाते हैं, जो कि गठिया पेशेंट के लिए काफी मुश्किल हो सकता है। ऐसे में आपके लिए जरूरी है कि घर में थोड़ी-थोड़ी मात्रा में घर का सामान इस्तेमाल करें। इससे रोगी को जोड़ों पर भार डालने की जरूरत नहीं पड़ेगी। **छोटी बदलावों का बड़ा असर :** घर में किए गए छोटे-छोटे बदलाव, रोगी के दर्द पर बड़ा असर डालते हैं। घर में लगे दरवाजों की गोल लॉक को बार-बार घुमाना रोगी के लिए मुश्किल होता है, क्योंकि इससे रोगी के हाथों के जोड़ों पर दबाव पड़ता है। ऐसे में अगर घर में सिंपल हैंडल लगवाएं जाएं, तो रोगी को दरवाजे खोलने-बंद करने में दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही, दोनों तरफ हैंडल वाले बर्तनों का यूज करना चाहिए, ताकि उन्हें आसानी से उठाया जा सके।

आंवले से होने वाले इतने सारे फायदों के बारे में जानते हैं आप?

आपने अक्सर लोगों को कहते हुए सुना होगा कि आंवला सेहत के लिए बहुत लाभकारी है। लेकिन क्या आपको पता है कि यह आपकी सेहत से लेकर सौंदर्य तक हर पहलू में आपके काफी काम आ सकता है। आंवला का रस आपके शरीर को ऊर्जा देकर आपको पूरे दिन न सिर्फ रिचार्ज रखता है, साथ ही इसमें मौजूद मिनरल्स व विटामिन सी के कारण आप बहुत सी बीमारियों से भी बचे रहते हैं। जहां तक बात सौंदर्य लाभ की है तो इसके सेवन से आप न सिर्फ खुद को लंबे समय तक जवां बनाए रख सकते हैं, बल्कि इससे आपके बालों को भी लाभ होता है। तो आईए जानते हैं आंवले के रस के ऐसे ही कुछ फायदों के बारे में-

कंट्रोल करे डायबिटीजः शायद आपको न पता हो लेकिन आंवले में गैलिक एसिड, गैलोटेनिन, एलैजिक एसिड और कोरिलैगिन जैसे तत्व पाए जाते हैं। इन तत्वों की एंटी-बायबिटीज क्षमताओं के कारण यह आपके रक्त में मौजूद ग्लूकोज के लेवल को कम करता है। इसलिए अगर आपको मधुमेह की समस्या है तो आपको आंवले के रस का सेवन अवश्य करना चाहिए। **बढ़ाए गुड कोलेस्ट्रोलः** आमतौर पर लोग कोलेस्ट्रोल को शरीर के लिए हानिकारक ही मानते हैं, लेकिन शरीर में गुड कोलेस्ट्रोल का होना भी बेहद आवश्यक है। कुछ शोध बताते हैं कि आंवले का रस न सिर्फ शरीर में गुड कोलेस्ट्रोल की मात्रा में बढ़ोतरी करता है, बल्कि इसके नियमित सेवन से शरीर में मौजूद बैड कोलेस्ट्रोल धीरे-धीरे कम होने लगता है। जिसके कारण आप कुछ ही समय में खुद को चुस्त व तंदुरूस्त पाते हैं। दरअसल, आंवले में मौजूद में एमिनो एसिड व एंटीऑक्सीडेंट हृदय के कार्य करने की क्षमता को बेहतर बनाते हैं। **खांसी-जुकाम से छुटकाराः** कुछ लोगों को बदलते मौसम में खांसी-जुकाम की समस्या अक्सर देखने को मिलती है। ऐसे लोगों के लिए आंवला का रस काफी मददगार साबित होता है। इसके लिए आप दो चम्मच आंवला के रस में दो चम्मच शहद मिलाकर रोजाना पिएं। आपको जल्द ही खांसी-जुकाम से राहत मिलेगी। वहीं अगर आपको मुंह में छालों की समस्या है तो आप कुछ चम्मच आंवले का रस पानी में मिलाएं व उस पानी से कुल्ला करें। चूंकि आंवला में विटामिन सी काफी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है, जिससे यह आपकी इम्युनिटी, मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है व बैक्टीरियल इंफेक्शन को कम करता है। इसलिए इसके नियमित सेवन से खांसी-जुकाम आदि होने की संभावना ना के बराबर हो जाती है। **करे शरीर की सफाईः** आंवले का रस आपके शरीर में मौजूद सभी विषाक्त पदार्थों को बाहर निकाल कर आपके शरीर की आंतरिक रूप से सफाई करता है। इतना ही नहीं, यह आपकी सांस संबंधी बीमारियों से लेकर डाइजेस्टिव सिस्टम, लिवर के फंक्शन, हृदय के फंक्शन आदि सभी को बेहतर बनाता है। इसमें विटामिन सी के अतिरिक्त आयरन, कैल्शियम, फास्फोरस आदि भी पाया जाता है। इसलिए यह एक कंप्लीट न्यूट्रिशन पेय है। साथ ही आप इसे रोजाना भी पी सकते हैं, इससे आपको किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं होगा। **तेज करे दिमागः** आंवला में मौजूद विटामिन सी और एंटी-ऑक्सीडेंट न्यूरोट्रांसमीटर के प्रॉडक्शन को बढ़ावा देते हैं, जिसके कारण आपका दिमाग पहले से बेहतर तरीके से काम करने लगता है। इस प्रकार आंवला के रस के सेवन से आपकी याददाश्त तेज होती है। साथ ही यह शरीर में स्ट्रेस लेवल को भी कम करता है। इतना ही नहीं, अगर आपको नींद न आने या बेहद कम आने की समस्या हो तो उसके लिए भी आपको आंवले के रस का सेवन करना चाहिए। **बनाए बालों को बेहतरः** बालों को बेहतर बनाने के लिए शरीर में पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन का होना बेहद आवश्यक है, लेकिन रोजाना के भोजन से शरीर में प्रोटीन की आवश्यकता पूरी नहीं होती।

स्किन की खोई चमक के कहीं ये कारण तो नहीं!

शायद ही कोई ऐसा समय होता हो जब मोबाइल आपके हाथ में न होता हो। बहुत ज्यादा मोबाइल का इस्तेमाल त्वचा की सेहत के लिए खतरे की घंटी है। सच तो यह है कि हमारे फोन के टचस्क्रीन पर इतने ज्यादा बैक्टीरिया होते हैं, जितने टॉयलेट की सीट पर भी नहीं होते। जब आप दिन-रात फोन के संपर्क में रहती हैं, तो न चाहते हुए भी त्वचा के संक्रमण से ग्रसित हो सकती हैं। **खाने-पीने की खराब आदतें :** त्वचा को खूबसूरत रखने के लिए बाहरी देखरेख के अलावा पोषण से भरपूर आहार की भी आवश्यकता होती है। सच तो यह है कि त्वचा को निखारने में जितना योगदान सौंदर्य उत्पादों का होता है, उससे ज्यादा महत्व संतुलित आहार का होता है। जब आप अपने खाने में पौष्टिक तत्वों की अनदेखी करती हैं, तो इसका सीधा असर आपकी त्वचा पर पड़ता है। खाने की अनियमित आदतें जैसे, बहुत ज्यादा तैलीय खाना, ज्यादा मीठा खाना और जंक फूड का सेवन आपकी त्वचा की सेहत को खराब करता है। अगर आप चाहती हैं कि आपकी स्किन तरोताजा लगे, तो अपने आहार में नियमित तौर पर हरी पत्तेदार सब्जियां, सलाद, मौसमी फल, ताजा जूस और अंकुरित अनाज शामिल करें। इसके अलावा ग्रीन टी पिएं। **बिस्तर साफ-सुथरा न होना :** आपकी त्वचा की सेहत को बनाने और बिगाड़ने में आपकी दिनचर्या, खाने-पीने की खराब आदतों के अलावा आपके बिस्तर का भी महत्वपूर्ण योगदान होता है। आप सोने के लिए जिस चादर और तकिये का इस्तेमाल करती हैं, वह अगर साफ-सुथरी न हो, तो आपके चेहरे को कुम्हलाते देर नहीं लगेगी। सच तो यह है कि सोते समय आपका चेहरा सीधे तकिये और चादर के संपर्क में आता है। इस समय आप सबसे ज्यादा रिलैक्स होती हैं। जब हम सो रहे होते हैं, उसी वक्त शरीर में नई कोशिकाओं का निर्माण चल रहा होता है। ऐसे में अगर आपके बिस्तर की चादर और तकिये का कवर गंदा है, तो इसका असर आपकी त्वचा पर पड़ेगा। त्वचा की खूबसूरती के लिए यह बेहद जरूरी है कि आप अपने बिस्तर की चादरों और तकिये की सफाई का खास ध्यान रखें। खूबसूरत चेहरे के लिए सप्ताह में कम से कम एक बार चादर और तकिये का कवर जरूर बदलें। **क्या पी रही हैं आप? :** त्वचा की सेहत के लिए भोजन की तरह आप पीने के लिए जिन पेय पदार्थों का चयन कर रही हैं, वह भी महत्वपूर्ण है। त्वचा की खूबसूरती के लिए पानी बहुत ज्यादा जरूरी है। अगर आप कम पानी पीती हैं, तो इसका असर आपकी त्वचा पर पड़ता है। दिन में कम से कम दस-बारह गिलास पानी पिएं, इससे आपकी त्वचा को नमी मिलेगी और शरीर से टॉक्सिन बाहर निकलेंगे। अगर आप बहुत ज्यादा मात्रा में ऐसी चीजों का सेवन कर रही हैं, जिसमें एल्कोहल है, तो यह आपकी त्वचा की सेहत खराब करेगी। ज्यादा कॉफी और चाय का सेवन करना भी त्वचा के लिए हानिकारक है। ऐसा करने से त्वचा रूखी हो जाती है। मौसमी फल और सब्जियों से बना सूप और जूस पिएं। **गर्म पानी से ना नहाएं :** आपके नहाने संबंधी आदतों का भी आपकी त्वचा की सेहत से गहरा संबंध है। अगर आप नहाने के लिए बहुत ज्यादा गर्म पानी का इस्तेमाल करती हैं, तो इससे आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचता है। ऐसा करने से त्वचा रूखी हो जाती है क्योंकि गर्म पानी त्वचा के प्राकृतिक तेल को खत्म कर देता है। गर्म पानी की वजह से त्वचा के रोमछिद्र खुले रह जाते हैं और उनमें गंदगी भर जाती है। खूबसूरत त्वचा के लिए न तो बहुत ज्यादा गर्म पानी से नहाएं और न ही बहुत देर तक नहाएं। नहाने के बाद अपनी त्वचा को पोषण देने के लिए मॉइस्चराइजिंग बॉडी लोशन लगाएं।

महिला राष्ट्रीय शिविर भविष्य में लखनऊ की जगह पटियाला में कराने की तैयारी

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के गढ़ में ट्रेनिंग को लेकर कई महिला पहलवानों के 'असहजता' जताने के बाद भविष्य में महिला राष्ट्रीय कुश्ती शिविर भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के पटियाला केंद्र में आयोजित किया जाएगा। तदर्थ समिति के प्रमुख भूपेंद्र सिंह बाजवा ने बयान में कहा, ''तदर्थ समिति ने यह भी फैसला किया कि भविष्य में राष्ट्रीय शिविर साइ सोनीपत (पुरुष ग्रीको रोमन और फ्रीस्टाइल) और साइ पटियाला (महिला कुश्ती) में आयोजित किए जाएंगे।'' पीटीआई ने मंगलवार को खबर दी थी कि सीनियर महिला शिविर के लखनऊ से स्थानांतरित होने की पूरी संभावना है।

लखनऊ साइ केंद्र में राष्ट्रीय शिविर में शामिल होने में कई महिला पहलवान असहज हैं और कई माता-पिता नहीं चाहते हैं कि सोनीपत में पुरुषों और महिलाओं के संयुक्त शिविर का आयोजन किया जाए। एक सूत्र ने पीटीआई से कहा, ''बैठक में संयुक्त राष्ट्रीय शिविर पर चर्चा की गई। पैनल के सदस्यों के संज्ञान में लाया गया कि महिला पहलवानों के माता-पिता सोनीपत में पुरुष पहलवानों के साथ अपनी बेटियों को प्रशिक्षण देने के पक्ष में नहीं थे।'' उन्होंने कहा, ''माता-पिता को डर है कि अगर ऐसा होता है तो 'प्रेम संबंधों' के मामले बढ़ सकते हैं। यही कारण था कि डब्ल्यूएफआई ने 2013 में दोनों शिविर को अलग कर दिया था।''

महिला पहलवान दिल्ली के आईजी स्टेडियम में प्रशिक्षण को लेकर सहज हैं लेकिन यहां उनके ठहरने के लिए छात्रावास नहीं है। पटियाला में साइ केंद्र में कुश्ती हॉल नहीं है क्योंकि इसे भारोत्तोलन हॉल में मिला दिया गया था। सूत्र ने कहा, ''महिलाओं के लिए राष्ट्रीय शिविर गांधी नगर (गुजरात) में आयोजित कराने का एक विकल्प है लेकिन यह देखना होगा कि क्या खिलाड़ी इतनी दूर जाने के लिए राजी होंगे।'' उन्होंने कहा, ''यह भी प्रस्तावित किया गया था कि पुरुष पहलवानों को लखनऊ भेजा जाए और महिलाएं सोनीपत में ट्रेनिंग करें लेकिन कोच और रैफरी इसके लिए तैयार नहीं हुए।''

विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक सहित देश के शीर्ष पहलवानों के यहां जंतर-मंतर पर धरने पर बैठने के बाद खेल मंत्रालय के निर्देशों पर 27 अप्रैल को भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने खेल के मामलों को चलाने के लिए तीन सदस्यीय तदर्थ पैनल का गठन किया था। प्रदर्शनकारी पहलवान एक नाबालिग सहित सात महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न के आरोप में बृजभूषण की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। बाजवा के अलावा समिति के अन्य सदस्य राइफल कोच सुमा शिरूर और उच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश हैं जिन्हें नियुक्त किया जाना बाकी है।

तदर्थ समिति ने बुधवार को कहा कि किर्गिस्तान के बिश्केक में 10 से 18 जून तक होने वाली अंडर-17 और अंडर-23 एशियाई चैंपियनशिप के लिए चयन ट्रायल क्रमशः सोनीपत और पटियाला में 17 से 20 मई तक होंगे। बाजवा ने बयान में कहा, ''किर्गिस्तान के बिश्केक में 10 से 18 जून तक होने वाली आगामी अंडर-17 और अंडर-23 कुश्ती एशियाई चैंपियनशिप के लिए चयन ट्रायल भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के सोनीपत और पटियाला केंद्रों में 17 से 20 मई तक आयोजित किए जाएंगे।'' महिलाओं के और पुरुषों की ग्रीको रोमन श्रेणियों के लिए चयन ट्रायल साइ के पटियाला केंद्र में होंगे जबकि पुरुषों के फ्रीस्टाइल वर्ग के लिए चयन ट्रायल सोनीपत में आयोजित किए जाएंगे। बाजवा ने कहा, ''चयन ट्रायल संबंधित आयु और भार वर्ग के सभी पहलवानों के लिए खुला होगा। कार्यक्रम और अन्य विवरण जल्द दिया जाएगा।

स्वान ने किया कोहली का बचाव, कहा टकराव के बिना नीरस हो जायेगा खेल

नई दिल्ली। इंग्लैंड के पूर्व आफ स्पिनर ग्रीम स्वान का मानना है कि विराट कोहली और गौतम गंभीर के बीच विवादित झड़प एशेज में होने वाले टकरावों की तुलना में कुछ भी नहीं है और उनका कहना है कि इस तरह की घटनाओं के बिना खेल नीरस हो जायेगा। कोहली और गंभीर एक मई को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर और लखनऊ सुपर जाइंट्स के बीच आईपीएल मैच के दौरान एक दूसरे से उलझ गए थे। जियो सिनेमा पर क्रिकेट विशेषज्ञ स्वान ने आनलाइन बातचीत में कहा ,''अगर खेल में टकराव नहीं होंगे तो वह नीरस हो जायेगा। मैंने अपने जीवन में कई एशेज श्रृंखलायें खेली हैं और उनकी तुलना में तो यह कुछ भी नहीं है।''

कोहली और गंभीर पर मैच फीस का सौ फीसदी जुर्माना लगाया गया था। स्वान का मानना है कि कोहली के अति आक्रामक होने में कोई बुराई नहीं है और वह खेल के प्रति अपने जुनून की वजह से ही जाने जाते हैं। उन्होंने कहा ,'' आपको खिलाड़ियों को इतना भी नहीं बदलना चाहिये कि वे जुनून के साथ खेल ही नहीं सकें। विराट कोहली इसलिये विराट कोहली है क्योंकि वह काफी जुनून के साथ खेलते हैं। उससे कई खिलाड़ी डर जाते हैं। कुछ कहते हैं कि वह बहुत आक्रामक है। गौतम और विराट साथ में खेलते आये हैं और मैदान पर यह सब होता है।''

उन्होंने कहा ,'' मैच के बाद एक दूसरे से हाथ मिलाने तक सब सही है। इससे स्क्रीन पर खराब छवि नहीं जानी चाहिये। मुझे उनके जुनून से कोई दिक्कत नहीं है।'' महेंद्र सिंह धोनी के संन्यास की अटकलों पर उन्होंने कहा ,'' वह जब भी बल्लेबाजी के लिये जा रहा है तो छक्के लगा रहा है। यह उसका आखिरी सत्र क्यों होना चाहिये। अगर वह खेलना चाहता है तो खेल सकता है। विकेट के पीछे उसका कोई सानी नहीं , बल्लेबाजी में वह शानदार है और अभी भी आईपीएल में सर्वश्रेष्ठ कप्तान है।

फोगनीनी ने मरे को हराया, वावरिंका भी जीते

रोम। फाबियो फोगनीनी ने 35 साल के दो खिलाड़ियों के बीच हुए मुकाबले में एंडी मरे को लगभग तीन घंटे में हराकर इटैलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई। पैर की चोट के कारण एक महीने तक बाहर रहने के बाद वाइल्ड कार्ड से टूर्नामेंट में प्रवेश करने वाले फोगनीनी ने मरे को6-4, 4-6, 6-4 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया।

फोगनीनी ने मरे के 24 के मुकाबले 49 विनर लगाए। एक अन्य अनुभवी खिलाड़ी स्टेन वावरिंका को इल्या इवाश्का को 6-2, 6-4 से हराने के लिए अधिक पसीना नहीं बहाना पड़ा। बारिश के कारण यह मुकाबला 90 मिनट के विलंब से शुरू हुआ। वावरिंका 38 साल के हैं और टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे सबसे अधिक उम्र के खिलाड़ी हैं। एलेक्सांद्र बुबलिक, क्रिस्टियन गेरिन, मार्टन फुकसोविक्स और सबेस्टियन बेइज भी जीत दर्ज करने में सफल रहे। चीन के यू यिबिंग ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए फ्रांस के अनुभवी खिलाड़ी रिचर्ड गास्केट को 3-6, 6-3, 6-3 से हराया। महिला वर्ग में लेसिया सुरेंको ने दो बार की चैंपियन यूक्रेन की हमवतन एलिना स्वितोलिना को हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। स्लोएन स्टीफंस ने नादिया पोडोरोस्का को 6-4, 6-1 से शिकस्त दी और अगले दौर में उनकी भिड़ंत 14वीं वरीय विक्टोरिया अजारेंका से होगी।

इंटर मिलान ने सेमीफाइनल में एसी मिलान को हराया

मिलान। इंटर मिलान ने चैंपियन्स लीग सेमीफाइनल के पहले चरण में बुधवार को यहां शहर की एक अन्य टीम एसी मिलान को 2-0 से हरा दिया। ईडिन डेको और हेनरिक मखितारयन ने तीन मिनट के भीतर दो गोल दागकर इंटर मिलान की जीत सुनिश्चित की।

पहले हाफ में दबदबा बनाने वाले इंटर मिलान को गोल करने के और मौके भी मिले लेकिन टीम इनका फायदा नहीं उठा सकी। ये दोनों टीम इससे पूर्व 20 साल पहले चैंपियन्स लीग सेमीफाइनल में भिड़ीं थी और तब एसी मिलान ने विरोधी के मैदान पर अधिक गोल दागने के आधार पर जीत दर्ज की थी और फिर फाइनल में यूवेंटस को हराकर अपने सात खिताब में से छठा जीता था। वर्ष 2003 की उस टीम के कई सदस्य और दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच बुधवार को दर्शकों के बीच मौजूद थे। जोकोविच एसी मिलान के प्रशंसक हैं।

आईपीएल 2023: दिल्ली के लिए मुश्किल हुई प्लेऑफ की राह, शानदार मुकाबले में चेन्नई ने 27 रनों से हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2023 के 55वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स ने दिल्ली कैपिटल्स को 27 रनों से हरा दिया है। चेन्नई के एम ए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई ने 167 रन बनाए थे। जीत के लिए दिल्ली को 168 रन बनाने थे। लेकिन दिल्ली की टीम 8 विकेट खोकर 140 रन ही बना सकी। दिल्ली की शुरूआत पूरी तरीके से खराब रही। पहला ही झटका कप्तान डेविड वॉर्नर के रूप में शून्य के स्कोर पर लगा। 25 रन पर दिल्ली के 3 विकेट गिर चुके थे। इसके बाद मनीष पांडे और रिले रसो के बीच एक अच्छी साझेदारी हुई। लेकिन इन दोनों के आउट होने के बाद दिल्ली मैच में वापसी नहीं कर सकी। चेन्नई की ओर से सभी हुई गेंदबाजी हुई दीपक चहर और पथिराना ने दो-दो सफलता हासिल की जबकि एक सफलता रविंद्र जडेजा को मिली। इस जीत के साथ चेन्नई के 15 अंक हो गए तो वही दिल्ली के लिए प्लेऑफ की राह मुश्किल में पड़ गई है। दिल्ली के सिर्फ 8 अंक है।

कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के नौ गेंद में 20 रन की मदद से चेन्नई सुपर किंग्स ने दिल्ली कैपिटल्स के दिये झटकों के बावजूद आईपीएल के मैच में बुधवार को आठ विकेट पर 167 रन बनाये। धोनी ने 19वें ओवर में खलील अहमद को दो छक्के जड़कर चेन्नई को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। इससे पहले दिल्ली के गेंदबाजों ने चेन्नई के बल्लेबाजों को दबाव में रखा। कोई भी बल्लेबाज अच्छी शुरूआत को बड़ी पारी में नहीं बदल सका। शिवम दुबे ने सर्वाधिक 25 रन बनाये। रूतुराज गायकवाड़ ने 24, अंबाती रायुडू ने 23 और अजिंक्य रहाणे ने 21 रन का योगदान दिया। चेन्नई के कप्तान धोनी ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया लेकिन दिल्ली के गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन के सामने यह फैसला गलत साबित होता दिखा। बायें हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल ने शुरूआती दोनों बल्लेबाजों को आउट करके चेन्नई को अच्छी शुरूआत से वंचित कर दिया। वहीं मिशेल मार्श ने तीन ओवर में सिर्फ 18 रन देकर तीन विकेट लिये। कुलदीप यादव और ललित यादव को भी एक एक विकेट मिला। दुबे ने चेन्नई की पारी का पहला छक्का 11वें ओवर में अक्षर को जड़ा। इसके बाद दो और छक्के जड़े लेकिन मिशेल मार्श की गेंद पर दिल्ली के कप्तान डेविड वॉर्नर को कैच दे बैठे। उन्होंने 12 गेंद में 25 रन बनाये। रूतुराज ने ईशांत शर्मा के डाले दूसरे ओवर में 16 रन निकाले। तीसरे ओवर में डेवोन कोंवे को खलील की गेंद पर जीवनदान मिला जब गेंद बल्ले से टकराई थी लेकिन मैदानी अंपायर का फैसला बल्लेबाज के पक्ष में आने पर दिल्ली ने रिव्यू नहीं लिया। कोंवे हालांकि इसका फायदा नहीं उठा सके और दस रन बनाकर अक्षर का शिकार हुए। पावरप्ले के अंत में चेन्नई का स्कोर एक विकेट पर 49 रन था। गायकवाड़ के रूप में अक्षर ने दूसरा विकेट लिया। अजिंक्य रहाणे को ललित यादव ने शानदार रिटर्न कैच लेकर लौटाया।

जियो सिनेमा पर आईपीएल को 1300 करोड़ से अधिक बार देखा गया

नयी दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र के शुरुआती पांच हफ्तों में इस लुभावने टी20 टूर्नामेंट को इसके डिजिटल स्ट्रीमिंग साझेदार जियो सिनेमा की ऐप पर 1300 करोड़ से अधिक बार देखा गया है। जियो सिनेमा ऐप पर इस दौरान प्रति दर्शक औसत समय 60 मिनट तक पहुंच गया। जियो सिनेमा पर इस बीच पांच दिन में दो बार सर्वाधिक दर्शकों का आईपीएल रिकॉर्ड भी टूटा। चेन्नई सुपरकिंग्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच 12 अप्रैल को हुए मैच के दौरान एक ही समय में सर्वाधिक दो करोड़ 23 लाख लोग जियो सिनेमा ऐप पर इस मैच को देख रहे थे। वायकॉम 18 के सीईओ अनिल जयराज ने कहा, ''जियो सिनेमा हर गुजरते सप्ताह के साथ लगातार मजबूत हो रहा है और यह इसलिए संभव हो सका है क्योंकि दर्शकों ने टाटा आईपीएल 2023 को देखने के लिए डिजिटल मंच को अपनी पहली पसंद बना लिया है।

आत्मविश्वास से भरे मुंबई इंडियन्स और गुजरात टाइटंस के बीच रोमांचक मुकाबले की उम्मीद

मुंबई। आत्मविश्वास से भरी मुंबई इंडियन्स की टीम इंडियन प्रीमियर लीग के महत्वपूर्ण मुकाबले में शुक्रवार को यहां जब अंक तालिका में शीर्ष पर चल रहे गत चैंपियन गुजरात टाइटंस के सामने होगी तो दोनों के बीच रोमांचक मुकाबले की उम्मीद है। आईपीएल के मौजूदा सत्र में पहली बार मुंबई इंडियन्स की टीम प्रभावी नजर आ रही है और मंगलवार को यहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) को छह विकेट से हराकर अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई। मुंबई ने आरसीबी के 200 रन के लक्ष्य को 17 ओवर के भीतर ही हासिल कर लिया जो दर्शाता है कि टीम का बल्लेबाजी क्रम कितना मजबूत है।

टीम ने हालांकि नेट रन रेट में इजाफा करने के लिए लगातार दूसरे मैच में बल्लेबाजी क्रम में बदलाव किया। टीम के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज और कप्तान रोहित शर्मा खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं और पिछली पांच पारियां में दोहरे अंक में भी पहुंचने में नाकाम रहे हैं लेकिन इसके बावजूद मुंबई के बल्लेबाजों ने वानखेड़े स्टेडियम में तीन प्रयास में दो बार 200 या इससे अधिक के लक्ष्य को हासिल किया। यहां तक कि पंजाब किंग्स के खिलाफ भी मुंबई ने 215 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए छह विकेट पर 201 रन बनाए थे। मुंबई के लिए मौजूदा सत्र में सबसे बड़ी चिंता रोहित की फॉर्म नहीं बल्कि टीम की गेंदबाजी है। टीम के खिलाफ लगातार चार मैच में 200 से अधिक रन बने जबकि आरसीबी की टीम भी 199 रन बनाने में सफल रही।

पिछले तीन मैच में विरोधी टीमों ने सपाट विकेट और बल्लेबाजी के अनुकूल हालात का फायदा उठाते हुए मुंबई इंडियन्स के खिलाफ आठ विकेट पर 214, सात विकेट पर 212 और छह विकेट पर 199 रन बनाए और गुजरात टाइटंस की नजरें भी बड़े स्कोर पर टिकी होंगी। मुंबई की टीम ने आरसीबी के खिलाफ बीच के ओवरों में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन गुजरात टाइटंस के पास आरसीबी के विपरीत निचले क्रम में फॉर्म में चल रहे बल्लेबाज हैं। सूर्यकुमार यादव की 35 गेंद में 83 रन की पारी और नेहल वढेरा के दूसरे अर्धशतक से मुंबई इंडियन्स ने आरसीबी के खिलाफ आसान जीत दर्ज की लेकिन टीम को पता है कि वे शीर्ष पर चल रहे गजरात टाइटंस के खिलाफ कोई कोताही नहीं बरत सकते।

सूर्यकुमार की फॉर्म में वापसी मुंबई के लिए सबसे सकारात्मक चीज है जबकि इशान किशन, कैमरन ग्रीन, टिम डेविड और तिलक वर्मा ने भी टीम के लिए उपयोगी पारियां खेली हैं। यह देखना होगा कि वर्मा शुक्रवार को होने वाले मुकाबले के लिए फिट होते हैं या नहीं। मैच में काफी कुछ हालांकि इस पर भी निर्भर करेगा कि मुंबई के बल्लेबाज गुजरात के अफगानिस्तान के दो स्पिनरों राशिद खान और नूर अहमद के आठ ओवरों में कैसा प्रदर्शन करते हैं। गुजरात ने 11 में से आठ मुकाबले जीते हैं और प्ले ऑफ में जगह बनाने की दहलीज पर खड़ी है।

कप्तान हार्दिक पंड्या और आशीष नेहरा इस साल भी खिलाड़ियों की सफलता के लिए अनुकूल माहौल तैयार करने में सफल रहे हैं जिससे टीम लगातार दूसरे साल खिताब की मजबूत दावेदार के रूप में उभरी है। गुजरात टाइटंस ने इस साल विरोधी के मैदान पर कोई मैच नहीं गंवाया है और उसे अब तक तीनों हार अहमदाबाद के अपने घरेलू मैदान पर मिली हैं। शुभमन गिल और रिद्धिमान साहा की गुजरात की सलामी जोड़ी अच्छी फॉर्म में है और बड़ा स्कोर खड़ा करने का मंच तैयार कर रही है। हार्दिक और डेविड मिलर ने भी बल्ले से प्रभावित किया है जबकि निचले क्रम में राहुल तेवतिया की मौजूदगी बल्लेबाजी को मजबूत करती है।

टीम इस प्रकार हैंः मुंबई इंडियंसः रोहित शर्मा (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, अरशद खान, जेसन बेहरेनडोर्फ, डेवाल्ड ब्रेविस, पीयूष चावला, टिम डेविड, राघव गोयल, कैमरन ग्रीन, इशान किशन, डुआन जेनसन, क्रिस जोर्डन, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल , रिले मेरेडिथ, शम्स मुलानी, रमनदीप सिंह, संदीप वारियर, ऋतिक शौकीन, ट्रिस्टन स्टब्स, अर्जुन तेंदुलकर, तिलक वर्मा, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा और सूर्यकुमार यादव। गुजरात टाइटन्सः हार्दिक पंड्या (कप्तान), शुभमन गिल, डेविड मिलर, अभिनव मनोहर, साई सुदर्शन, रिद्धिमान साहा, मैथ्यू वेड, राशिद खान, राहुल तेवतिया, विजय शंकर, मोहम्मद शमी, अल्जारी जोसेफ, यश दयाल, प्रदीप सांगवान, दर्शन नालकंडे, जयंत यादव, आर साई किशोर, नूर अहमद, दासुन शनाका, ओडियन स्मिथ, केएस भरत, शिवम मावी, उर्विल पटेल, जोशुआ लिटिल और मोहित शर्मा। समयः मैच शाम 7:30 बजे से खेला जाएगा।

आईसीसी रैंकिंगः भारत तीसरे स्थान पर खिसका,ऑस्ट्रेलिया शीर्ष पर बरकरार

दुबई। भारत अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की गुरुवार को जारी नवीनतम रैंकिंग में पाकिस्तान के बाद तीसरे स्थान पर खिसक गया जबकि ऑस्ट्रेलिया पहले पायदान पर बरकरार है। रैंकिंग में वार्षिक अपडेट के बाद पांच बार के विश्व चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया ने अपनी रेटिंग में पांच अंक का सुधार किया। टीम के नाम अब 118 रेटिंग अंक हैं। पाकिस्तान 116 रेटिंग अंक के साथ दूसरे और भारत 115 रेटिंग अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। आईसीसी की विज्ञप्ति के मुताबिक, '' वार्षिक अपडेट से पहले ऑस्ट्रेलिया 113 अंक के साथ शीर्ष पर था और दशमलव के अंतर में भारत दूसरे स्थान पर था।

पाकिस्तान 112 अंक के साथ तीसरे स्थान पर था लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के चौथे एकदिवसीय में जीत के बाद वह कुछ समय के लिए शीर्ष पर पहुंचा था।'' पाकिस्तान अगर पांचवें एकदिवसीय मैच को जीत लेता तो वह तालिका में शीर्ष पर बरकरार रहता लेकिन न्यूजीलैंड ने इस मुकाबले को जीत कर उसे सूपड़ा साफ करने से रोक दिया। आईसीसी की वार्षिक रैंकिंग में मई 2020 से पूरी हुई सभी एकदिवसीय श्रृंखलाओं को शामिल किया गया है। इसमें मई 2022 से पहले पूरी हुई श्रृंखलाओं के लिए 50 अंक प्रतिशत दिये गये हैं जबकि इसके बाद की सभी श्रृंखलाओं को 100 अंक प्रतिशत दिये गये हैं। आईसीसी ने कहा,'' इसका मतलब यह हुआ कि पाकिस्तान की इंग्लैंड के खिलाफ 0-4 की हार के अंक को इस रैंकिंग से हटा दिया गया जबकि 2021 में इसी टीम के खिलाफ मिली 0-3 की शिकस्त का 50 प्रतिशत रेटिंग अंक ही गणना में आया। '' भारत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-2 की हार का खामियाजा इस रैंकिंग में भुगतना पड़ा। न्यूजीलैंड (104) इस रैंकिंग में चौथे जबकि इंग्लैंड 10 रेटिंग अंक के नुकसान के साथ पांचवें स्थान पर है। उसके नाम 101 रेटिंग अंक है। अफगानिस्तान बड़ी छलांग लगाते हुए श्रीलंका (नौवा स्थान) और वेस्टइंडीज (10वां स्थान) को पछाड़ कर आठवें स्थान पर आ गया। दक्षिण अफ्रीका छठे और बांग्लादेश सातवें स्थान पर है।

रिंकू सिंह भारतीय टीम में जगह बनाने से बहुत दूर नहीं: हरभजन

नयी दिल्ली। पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह को उम्मीद है कि इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स के बाएं हाथ के बल्लेबाज रिंकू सिंह छोटे प्रारूप में जल्द ही भारतीय टीम में जगह बनाएंगे। बाएं हाथ के बल्लेबाज रिंकू ने 11 मैच में 151 के स्ट्राइक रेट से 337 रन बनाकर खुद को फिनिशर के रूप में स्थापित किया है। हरभजन ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, ''भारतीय टीम की कैप (टीम के लिए पदार्पण) जल्द ही रिंकू के सिर पर होगी। वह प्रेरणादायी खिलाड़ी है। वह आज जहां है वहां पहुंचने के लिए उसने बेहद कड़ी मेहनत की है। अपने ऊपर यह विश्वास रखने के लिए उसे पूरा श्रेय जाता है। उसका यात्रा जीवन का एक सबक है और सभी युवा बच्चों को उससे सीखना चाहिए।'' एक अन्य पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने भी हरभजन के सुर में सुर मिलाया। कैफ ने कहा, ''रिंकू सिंह में वह परिपक्वता है। उसका फुटवर्क काफी अच्छा है और स्ट्राइक रोटेट करने की भी कोशिश करता है। रिंकू को पता है कि अपनी फॉर्म को अच्छी पारी में कैसे बदलना है और उसे यह भी पता है कि जब तेजी दिखानी है। वह बड़े शॉट खेलने में सक्षम है।'' भारत को जुलाई में वेस्टइंडीज और अमेरिका में पांच टी20 मैच खेलने हैं और फिर अफगानिस्तान से अपनी सरजमीं और आयरलैंड से उसके मैदानों पर सबसे छोटे प्रारूप में तीन-तीन मुकाबले खेलने हैं। रिंकू के अलावा तिलक वर्मा और जितेश शर्मा भारतीय टीम में जगह बनाने के दावेदार हैं।

सम्पादकीय

पहलवानों के मामले में सवालों के घेरे में दिल्ली पुलिस

सात महिला पहलवानों की यौन उत्पीड़न की शिकायत के मामले में शुक्रवार को आखिर दिल्ली पुलिस एफआईआर दर्ज करने को तैयार हो गई। लेकिन इस मामले में अब तक पुलिस और खेल प्रशासन का जैसा ढीला-ढाला रवैया रहा है, उससे उपजे सवाल इस पेशकश से समाप्त नहीं हुए हैं। कुश्ती की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में गोल्ड लाकर देश का नाम ऊंचा करने वाली महिला पहलवानों ने कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया, यही अपने आप में इतनी बड़ी बात थी कि देश के पूरे खेल ढांचे को अलर्ट मोड में आ जाना चाहिए था। मामले में अपनी तरफ से पूरी तहकीकात करते हुए यह बात शीशे की तरह साफ कर देनी चाहिए थी कि मामला क्या है, किसकी कितनी और कैसी गलती है और उसके लिए उन्हें किस तरह की सजा दी जा रही है। मगर तीन महीनों में जांच-पड़ताल के नाम पर जो कुछ हुआ, उसका नतीजा तक सार्वजनिक नहीं किया गया। न तो शिकायत करने वाले संतुष्ट हुए और न आरोपों के घेरे में आए लोग बेकसूर साबित हुए। इस ढीले-ढाले रेस्पॉन्स का ही परिणाम था कि महिला पहलवानों को एक बार फिर जंतर-मंतर पर बैठना पड़ा। उससे पहले ही वे पुलिस में शिकायत भी दर्ज करवा चुकीं थीं। कायदे से इतनी गंभीर शिकायत पर तत्काल एफआईआर दर्ज होनी चाहिए थी, जांच-पड़ताल उसके बाद की जा सकती थी, लेकिन पता नहीं पुलिस के मन में क्या संशय था, उसने एफआईआर भी दर्ज नहीं की। जब पहलवान सुप्रीम कोर्ट गए और कोर्ट ने कड़ा रुख दिखाते हुए मामले की गंभीरता का अहसास कराया, तब भी पुलिस ने पहले यही कहा कि वह कुछ जांच करना चाहती थी, लेकिन अगर कोर्ट कहे तो एफआईआर दर्ज कर लेगी। हालांकि शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू होने पर अपनी तरफ से कह दिया कि वह आज ही एफआईआर दर्ज कर लेगी। यह स्पष्ट नहीं हो सका कि आखिर किन बातों ने पुलिस को रोक रखा था और किन वजहों से उसका रुख बदला। ऐसे में स्वाभाविक ही कोर्ट उसकी इस दलील से सहमत नहीं हुआ कि एफआईआर दर्ज करने के फैसले के बाद याचिकाकर्ताओं की मांग पूरी हो गई है, इसलिए कोर्ट को यह मामला बंद कर देना चाहिए। अदालत ने मामला जारी रखते हुए शुक्रवार को अगली सुनवाई रख दी है। जाहिर है, आगे पुलिस इस मामले में क्या और कैसी कार्रवाई करती है, इस पर नजर बनी रहेगी। बहरहाल, इंडियन ओलिंपिक असोसिएशन की प्रेसिडेंट पीटी उषा ने पहलवानों के धरने को अनुशासनहीनता बताकर एक और विवाद छेड़ दिया। खेल जगत की चुप्पी भी गलत संदेश दे रही थी। अच्छा है कि यह चुप्पी टूटी। यह जांच से पहले ही किसी को दोषी मानने या बताने की कोशिश नहीं, बल्कि पूरे मामले की निष्पक्ष और विश्वसनीय जांच कराने का आग्रह है, जो एक संवेदनशील और न्यायप्रिय समाज की अनिवार्य विशेषता है।

अपनी पार्टी बचाने के बाद अब मोदी विरोधी मोर्चे में बड़ी भूमिका चाहते हैं शरद पवार

जैसा कि सबको अंदाजा था, इस्तीफे का दांव खेलने के बाद शरद पवार इस पूरी लड़ाई में एक विजेता की तरह उभर कर सामने आए हैं। वैसे भी पवार के राजनीतिक सफर पर करीब से नजर रखने वाले लोगों को यह मानना रहा है कि पवार शतरंज के गेम की तरह एक साथ कई लक्ष्यों को सामने रखकर अपने प्यादों को आगे बढ़ाने के लिए मशहूर रहे हैं। इसलिए यह माना जा रहा है कि इस्तीफे का दांव खेलकर जहां उन्होंने एक तरफ अपने भतीजे अजित पवार को यह समझा दिया कि एनसीपी के असली बॉस वही हैं, वहीं दूसरी तरफ पार्टी के अंदर बगावत करने की मंशा रखने वाले विधायकों को भी यह बता दिया कि शरद पवार के आशीर्वाद के बिना अगली बार उनका चुनाव जीतना बहुत ही मुश्किल होगा, तो वहीं तीसरी तरफ पार्टी के अंदर और बाहर सबको यह अहसास करा दिया कि उनकी बेटी सुप्रिया सुले का कद क्या है और सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण बात तो यह है कि पवार ने महाराष्ट्र के साथ-साथ पूरे देश को यह अच्छी तरह से समझा दिया है कि उम्र के इस पड़ाव में वो आखिरी बार राष्ट्रीय राजनीति में एक बड़ा दांव खेलने को तैयार हैं। विपक्षी एकता की कोशिश के लक्ष्य को लेकर पूरे देश में राजनीतिक भ्रमण कर रहे नीतीश कुमार, के. चन्द्रशेखर राव और ममता बनर्जी से लेकर किसी भी कीमत पर मोदी को 2024 में सत्ता से बाहर करने का सपना देखने वाली कांग्रेस तक को शरद पवार ने स्पष्ट तौर पर यह राजनीतिक संदेश दे दिया है कि वह राष्ट्रीय राजनीति में बड़ी भूमिका निभाने को तैयार हैं। एक संदेश उन्होंने भाजपा को भी देने का प्रयास किया है कि अगर उनकी पार्टी को महाराष्ट्र में तोड़ने की कोशिश की गई तो इसका अंजाम भाजपा को राष्ट्रीय स्तर पर भुगतना पड़ सकता है।

यह बात बिल्कुल सही है कि कांग्रेस के लिए शरद पवार बहुत जरूरी बनते जा रहे हैं। हाल के दिनों में पवार ने सावरकर के मसले पर न केवल शिवसेना और राहुल गांधी के मतभेदों को सुलझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है बल्कि राहुल गांधी को यह समझाने का भी प्रयास किया है कि राष्ट्रीय राजनीति में उन्हें किन मुद्दों को उठाना चाहिए और किन मुद्दों को छोड़ते हुए आगे बढ़ना चाहिए। लेकिन इतनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने के बाद इस बात की राजनीतिक चर्चा कतई नहीं हो रही थी कि क्या शरद पवार को कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए गठबंधन का संयोजक बनाया जा सकता है। अभी तक इस पद के लिए सबसे ज्यादा चर्चा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ही होती रही है और निश्चित तौर पर पवार अपने आपको नजरअंदाज करने से प्रसन्न तो नहीं ही होंगे।

महाराष्ट्र की राजनीति में कई बार बगावत के जरिए अपना

राजनीतिक कद बढ़ाने वाले शरद पवार को इस बात का बखूबी अहसास है कि इस बार जो भी नेता यूपीए का संयोजक होगा, उसकी दावेदारी देश के सर्वोच्च पद यानी प्रधानमंत्री पद के लिए सबसे ज्यादा होगी। क्योंकि इस बार जो यूपीए गठबंधन बनेगा अथवा मोदी विरोधी जो मोर्चा तैयार होगा, उसमें शायद पहली बार कांग्रेस नहीं बल्कि अन्य क्षेत्रीय दल महत्वपूर्ण भूमिका में होंगे। ज्यादातर क्षेत्रीय दलों के नेता या तो अपने-अपने राज्यों में मुख्यमंत्री हैं या फिर मुख्यमंत्री बनने की इच्छा रखते हैं क्योंकि पार्टी में अभी तक उनका कोई उत्तराधिकारी तैयार नहीं हुआ है। इस रेस में फिलहाल सबसे आगे नजर आने वाले नीतीश कुमार पर सभी विरोधी दल आंख मूंद कर भरोसा करने की स्थिति में नहीं हैं। ऐसे में अगर कांग्रेस खासकर गांधी परिवार जिसके साथ खड़ा नजर आएगा, उसका दावा सबसे मजबूत होगा। पवार को सोनिया गांधी के साथ-साथ उद्धव ठाकरे से भी बहुत उम्मीदें हैं। उन्हें इस बात का पूरा भरोसा है कि अगर भविष्य में किसी मराठी नेता के प्रधानमंत्री बनने की संभावना बनती है तो शिवसेना पूरी तरह से उनके साथ खड़ी नजर आएगी और महाराष्ट्र से कांग्रेस के सांसद भी उनका समर्थन करेंगे इसलिए वो राजनीति के इतने महत्वपूर्ण पड़ाव पर अपने भतीजे अजित पवार को पार्टी तोड़ने की अनुमति तो कतई नहीं दे सकते हैं।

एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद से दिया गया अपना इस्तीफा वापस लेने के बाद शरद पवार जिस अंदाज में घोषणाएं कर रहे हैं, उससे भी यह अंदाज हो जाता है कि वह राष्ट्रीय राजनीति में एक बड़ी भूमिका निभाने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि वह भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों को एक साथ लाने में भूमिका निभाएंगे। अगले वर्ष, 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले विपक्ष का एक न्यूनतम साझा कार्यक्रम भी तैयार करने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा कि अगले 10-11 महीनों में कई जगहों पर चुनाव होंगे। नीतीश कुमार, अरविंद केजरीवाल, के. चंद्रशेखर राव और ममता बनर्जी जैसे नेता विपक्ष को एकजुट करने की कोशिश कर रहे हैं। मैं न्यूनतम साझा कार्यक्रम बनाकर विपक्ष को साथ लाने में हिस्सा लूंगा। इशारों-इशारों में भविष्य की अपनी महत्वपूर्ण राजनीतिक भूमिका का संकेत देते हुए पवार ने यह भी कहा कि महाराष्ट्र और देश भर के विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने उनसे एनसीपी का पार्टी अध्यक्ष बने रहने का अनुरोध किया था।

शरद पवार इस देश के सबसे बड़े पद यानी प्रधानमंत्री पद पर बैठना चाहते हैं, इस बात से उन्होंने कभी इंकार भी नहीं किया। 1991 में जब कांग्रेस ने नरसिम्हा राव को अपना प्रधानमंत्री चुना था, उस समय भी पवार इस पद के लिए दावेदारों में से एक थे। राव के प्रधानमंत्री बनने के बाद पवार केंद्र सरकार में मंत्री बने लेकिन उन्होंने अपनी कोशिशें जारी रखीं। यह कहा जाता है कि उनके राजनीतिक दांवों से परेशान होकर ही उस समय राव ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाकर महाराष्ट्र वापस भेज दिया था। वर्ष 1999 में कांग्रेस के अंदर रहकर पवार ने उस समय सोनिया गांधी के विदेशी मूल का मुद्दा भी इसलिए यह उठाया था क्योंकि उन्हें उस समय यह लगता था कि इस मुद्दे पर कांग्रेस के ज्यादातर नेता उनके साथ खड़े होंगे लेकिन आगे चलकर उन्हें जैसे ही लगा कि वह अलग-थलग पड़ गए हैं तो तुरंत ही एनसीपी नेता के तौर पर उन्होंने महाराष्ट्र में कांग्रेस के साथ गठबंधन कर लिया। उसके बाद महाराष्ट्र में पहले कांग्रेस-एनसीपी गठबंधन और बाद में कांग्रेस-एनसीपी और शिवसेना गठबंधन की सरकार बनवाई। इसलिए यह माना जा रहा है कि अपने राजनीतिक दांव-पेंच के लिए मशहूर रहे शरद पवार ने अभी अपने तरकश में कई तीर छुपा कर रखे हैं जिनका प्रयोग वह आने वाले दिनों में कर सकते हैं।

अफ़ग़ानिस्तान तक होगा चीन के बीआरआई प्रोजेक्ट का विस्तार, ड्रैगन और पाक की चाल में कैसे फँसा तालिबान?

पाकिस्तान को दुनिया में आतंकवाद का उत्पादक, प्रश्रयदाता और प्रवक्ता माना जाता है। तालिबान को दुनिया में क्रूरता और महिलाओं पर निर्ममता बरतने के लिए जाना जाता है। चीन को विस्तारवादी नीतियों के चलते दुनिया में अशांति फैलाने और कोरोना जैसे वायरसों का आविष्कार और उसका प्रसार कर तबाही मचाने के लिए जाना जाता है। इसलिए यह खबर काफी विरोधाभासी लगती है कि पाकिस्तान, चीन और अफगानिस्तान आतंकवाद का मिलकर मुकाबला करने पर सहमत हुए हैं। हम आपको बता दें कि इन तीनों देशों के विदेश मंत्रियों की इस्लामाबाद में बैठक संपन्न हुई जिसमें कई बड़े निर्णय लिये गये। इन बड़े निर्णयों में सबसे बड़ा निर्णय यह है कि चीन अब अपनी बीआरआई परियोजना का अफगानिस्तान में भी विस्तार करेगा। इसके अलावा तीनों देश विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमत हुए हैं।

पाकिस्तान विदेश कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि शनिवार को इस्लामाबाद में आयोजित पांचवीं चीन-पाकिस्तान-अफगानिस्तान त्रिपक्षीय विदेश मंत्रियों की वार्ता में तीनों देशों के विदेश मंत्रियों ने भाग लिया। बयान में कहा गया है, "तीनों पक्ष त्रिपक्षीय ढांचे के तहत राजनीतिक जुड़ाव, आतंकवाद से निपटने के लिए सहयोग और व्यापार, निवेश और संपर्क (कनेक्टिविटी) बढ़ाने पर सहमत हुए।" त्रिपक्षीय वार्ता के बारे में हालांकि कोई विस्तृत विवरण नहीं दिया गया है। हम आपको बता दें कि इस बैठक के लिए अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी को संयुक्त राष्ट्र द्वारा विशेष रूप से पाकिस्तान की यात्रा करने की अनुमति दी गई थी। इस बैठक में भाग लेने के लिए चीनी विदेश मंत्री छिन कांग गोवा में एससीओ की बैठक में भाग लेने के बाद सीधे वहां से इस्लामाबाद पहुँचे थे।

तालिबानी विदेश मंत्री मुत्तकी ने शनिवार की त्रिपक्षीय बैठक के बाद रविवार को पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो-जरदारी से मुलाकात की और प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की। शांति और सुरक्षा के मद्देनजर उन्होंने आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए समन्वय बढ़ाने और द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। मुत्तकी ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल सैयद असीम मुनीर से भी मुलाकात की और दोनों ने आपसी हित के मुद्दों पर चर्चा की। इसके अलावा, पाकिस्तानी मीडिया में इस आशय की भी खबरें हैं कि इस त्रिपक्षीय वार्ता के दौरान

तालिबान चीन और पाकिस्तान के साथ अफगानिस्तान में बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव का विस्तार करने के लिए सहमत हो गया है। दरअसल तालिबान भी आर्थिक संकट से जूझ रहा है इसलिए उसे उम्मीद है कि अफगानिस्तान में बुनियादी ढांचे में आने वाला चीनी निवेश उसकी दिक्कतें दूर कर देगा इसलिए चीन और पाकिस्तान की योजना को हरी झंडी दे दी गयी है। इसके तहत अफगानिस्तान के शासक तालिबान के हाथों अरबों डॉलर का निवेश लग गया है। हम आपको बता दें कि चीन अपनी बीआरआई परियोजना को पाकिस्तान से आगे ईरान और तुर्की तक ले जाना चाहता है।

बताया जा रहा है कि इस त्रिपक्षीय वार्ता के दौरान चीन और पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के पुनर्निर्माण और 60 अरब डॉलर के चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर को अफगानिस्तान तक ले जाने के लिए साथ मिलकर काम करने का संकल्प भी लिया। इसके अलावा, चीन और पाकिस्तान की द्विपक्षीय मुलाकात के बाद पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने जो संयुक्त बयान जारी किया है उसमें भी कहा गया है कि दोनों पक्ष अफगान लोगों के लिए अपनी मानवीय और आर्थिक सहायता जारी रखने और अफगानिस्तान में सीपीईसी के विस्तार पर सहमत हुए हैं। यही नहीं, अफगानिस्तान के विदेश मंत्री के उप प्रवक्ता हाफिज जिया अहमद ने भी इस बात की पुष्टि की है कि चीन और पाकिस्तान ने एक दशक पहले शुरू हुई परियोजनाओं के तहत बनाये जा रहे एक्स प्रोजेक्ट को अफगानिस्तान तक विस्तारित करने को अपनी मंजूरी दे दी है।

हम आपको यह भी बता दें कि संयुक्त राष्ट्र ने तालिबान राज आने के बाद अफगानिस्तान की विदेशों में संपत्तियों को फ्रीज कर दिया था। पाकिस्तान और चीन बार-बार यह मांग दोहरा रहे हैं कि अफगानिस्तान की संपत्तियों को अनफ्रीज किया जाये। अब तक तालिबान शासन को किसी भी देश ने मान्यता नहीं दी है लेकिन पाकिस्तान और चीन ने लगातार तालिबान शासन से संवाद बनाये रखा है और उसे करोड़ों डॉलर की मदद भी मुहैया कराई है। हालांकि पाकिस्तान के संबंध तालिबान शासन से पिछले वर्ष काफी बिगड़ गये थे लेकिन इन संबंधों में सुधार लाने के लिए चीन ने काफी प्रयास किये हैं क्योंकि अफगानिस्तान के लिए उसका अपना जो लक्ष्य है वह बिना पाकिस्तान की मदद के पूरा नहीं हो सकता। इसलिए इस त्रिपक्षीय बैठक का आयोजन भी पाकिस्तान में ही किया गया। हम आपको यह भी बता दें कि तीनों देशों के विदेश मंत्रियों की पिछली बैठक जून 2021 में चीन में हुई थी जिसके कुछ सप्ताह बाद ही तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया था।

जहां तक अफगानिस्तान संबंधी भारत की रणनीति की बात है तो आपको बता दें कि भारत भी अपने इस पड़ोसी देश की हर तरह से मदद जारी रखे है। साथ ही भारत ने इस महीने की शुरुआत में अफगानिस्तान पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस द्वारा दोहा में बुलाई गई बैठक में भी भाग लिया था। इस बैठक में विभिन्न देशों के विशेष दूतों ने भाग लिया था। इस बैठक का उद्देश्य तालिबान के साथ संवाद को लेकर एक आम समझ विकसित करना था। बैठक में चीन, फ्रांस, जर्मनी, इंडोनेशिया, ईरान, जापान, कजाखस्तान, किर्गिस्तान, नॉर्वे, पाकिस्तान, कतर, रूस, सऊदी अरब, ताजिकिस्तान, तुर्की, तुर्कमेनिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात, ब्रिटेन, अमेरिका, उज्बेकिस्तान, यूरोपीय संघ और इस्लामी सहयोग संगठनों ने भाग लिया था।

विदेशों में कितने भारतीय रहते हैं? आखिर क्यों भारत छोड़कर विदेश चले जाते हैं लोग?

भारतीय मूल के नागरिकों का भारत से पलायन प्रमुख रूप से तीन खंडकालों के दौरान हुआ है। प्रथम, वर्ष 1833 में भारतीय मूल के नागरिकों को बड़ी संख्या में (लगभग 15 लाख) दक्षिणी अमेरिका एवं कैरिबियन देशों में श्रमिकों के तौर पर भेजा गया था। उस समय भारत पर ब्रिटेन का प्रशासन चल रहा था। अतः ब्रिटेन के प्रशासन द्वारा भारतीय मूल के नागरिकों को मारिशस, गयाना, त्रिनिदाद, टुबैगो, कैरेबियन देशों- फिजी, मलय पेनिनसुला, पूर्वी अफ्रीकी देशों एवं दक्षिणी अफ्रीकी देशों में भेजा गया था। इसी खंडकाल में फ्रान्स प्रशासन द्वारा तमिलनाडु राज्य से कई भारतीय मूल के नागरिकों को रीयूनियन में भेजा गया था एवं पुर्तगाल प्रशासन द्वारा गोवा राज्य से कई भारतीय नागरिकों को मोजाम्बिक में भेजा गया था। उस खंडकाल में ब्रिटेन, फ्रान्स एवं पुर्तगाल का इन राज्यों पर प्रशासन चल रहा था और इन देशों की पूरे विश्व में कई कॉलोनियां थीं, जहां श्रमिकों के तौर पर नागरिकों की आवश्यकता थी। अतः भारतीय मूल के नागरिकों को उस खंडकाल में उक्त वर्णित देशों एवं अन्य कई देशों में भेजा गया था।

द्वितीय लहर के अंतर्गत वर्ष 1880 में कई भारतीय व्यापारी पूर्वी अफ्रीका एवं मध्य पूर्व के देशों में व्यापार करने की दृष्टि से वहां जाकर बस गए थे। विशेष रूप से गुजराती एवं सिंधी व्यापारी ओमान, दुबई, दक्षिणी अफ्रीका एवं पूर्वी अफ्रीका के देशों में जाकर बस गए थे। इसी के साथ पंजाबी, राजस्थानी, बलोची, सिंधी एवं कश्मीरी नागरिक आस्ट्रेलिया एवं कनाडा आदि देशों में जाकर बस गए थे।

वर्ष 1960-70 के खंडकाल में जो तीसरी लहर प्रारम्भ हुई थी वह आज तक जारी है। इस दौर में उच्च तकनीकी क्षेत्र में उच्च शिक्षा एवं उच्च कौशल प्राप्त भारतीय मूल के नागरिक उत्तरी अमेरिका एवं यूरोप के विकसित देशों में जाकर बस गए थे। वर्ष 1970 के आसपास मध्य पूर्व के अरब देशों में कच्चे तेल की भारी मात्रा में खोज हुई थी, इस खंडकाल में भारतीय मूल के नागरिक भारी संख्या में अरब देशों में श्रमिकों के रूप में जाकर बस गए थे। आज भी प्रतिवर्ष 25 लाख से अधिक भारतीय मूल के नागरिक अन्य देशों में जाकर बस जाते हैं, जो पूरे विश्व में अन्य देशों के मुक़ाबले में सबसे बड़ी संख्या है।

आज भारतीय मूल के 320 लाख से अधिक नागरिक विश्व के विभिन्न देशों में निवास कर रहे हैं। इनमें 140 लाख भारतीय नागरिक प्रवासी भारतीय के रूप में इन देशों में निवास कर रहे हैं एवं शेष 180 लाख भारतीय मूल के रूप में इन देशों के नागरिक बन चुके हैं। कुल मिलाकर 146 से अधिक देशों में भारतीय मूल के नागरिक निवास कर रहे हैं। कई देशों में तो भारतीय मूल के नागरिकों की संख्या आज भारी तादाद में हो गई है। ओमान, सेंट विन्सेंट, कुवैत, सूरीनाम, रीयूनियन फ्रान्स में भारतीय मूल के नागरिकों की संख्या इन देशों की कुल जनसंख्या का 20 से 30 प्रतिशत के बीच है। इसी प्रकार, युनाईटेड अरब अमीरात, फिजी, त्रिनिदाद एवं टोबेगो, गयाना एवं मारिशस में भारतीय मूल के नागरिकों की संख्या लगभग 40 प्रतिशत है। मारिशस में तो लगभग 70 प्रतिशत भारतीय मूल के नागरिक निवास कर रहे हैं। बल्कि, कुछ देशों, जैसे- युनाईटेड अरब अमीरात, यमन और वेनेजुएला में तो स्थानीय मूल के नागरिकों से अधिक भारतीय मूल के नागरिकों की संख्या हो गई है। मलेशिया में मलाया और चीनी के बाद तीसरा सबसे बड़ा जातीय समूह तमिल भाषाईयों का है जो वहां की कुल जनसंख्या का 8 प्रतिशत है। अमेरिका के न्यू जर्सी राज्य में तीसरी भाषा के रूप में गुजराती भाषा को मान्यता प्रदान की गई है। पूर्वी अफ्रीकी देशों में 20 लाख से अधिक भारतीय मूल के नागरिक रहते हैं। ये देश हैं, कीनिया, युगांडा, तंजानीया, मोजाम्बिक, घाना, माजागाडगस्कर। इसी प्रकार, कैरेबीयन देशों में बहुत बड़ी संख्या में भारतीय मूल के नागरिक रह रहे हैं। गयाना, सूरीनाम, त्रिनिदाद, टुबैगो में भारतीय मूल के नागरिकों की संख्या सबसे अधिक है। जमैका, सेंट विन्सेंट में भारतीय मूल के नागरिकों की संख्या

दूसरे नम्बर पर है। इसके साथ ही, बहामास, बारबाडोस, बेलीज, फ्रेंच गयाना, पनामा, ग्रेनाडा, ग्वाटेमाला, मैंटलूसिया, हैती, मार्टिनिक, ग्वाडेलोप में भी भारतीय मूल के नागरिक बड़ी संख्या में रहते हैं। साथ ही, फिलिपीन, जापान, सिंगापुर, नेपाल, म्यांमार में भी बड़ी संख्या में भारतीय मूल के नागरिक निवास कर रहे हैं। इसी प्रकार, इंडोनेशिया में भी कई शताब्दियों से भारतीय मूल के नागरिक रह रहे हैं। सनातन हिंदू धर्म का प्रचार प्रसार इंडोनेशिया में बहुत अधिक हुआ है। बाली की 87 प्रतिशत जनसंख्या हिंदू धर्म की अनुयायी है। अभी इंडोनेशिया में 1.25 लाख से अधिक भारतीय मूल के नागरिक निवास कर रहे हैं। इन देशों में भारतीय मूल के नागरिक उद्योग, व्यापार एवं अन्य क्षेत्रों की गतिविधियों में अपना योगदान देकर इन देशों की अर्थव्यवस्थाओं को आगे बढ़ाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

उक्त देशों के अतिरिक्त विकसित देशों में भी भारतीय मूल के नागरिकों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है। उत्तरी अमेरिका के कनाडा में 15 लाख से अधिक भारतीय मूल के नागरिक निवासरत हैं, जो कुल जनसंख्या का 4 प्रतिशत हैं। ब्रिटिश कोलम्बिया की कुल जनसंख्या का 5 प्रतिशत हिस्सा भारतीय मूल के नागरिकों का है। प्रतिवर्ष लगभग 85,000 भारतीय मूल के नागरिकों को कनाडा में स्थायी निवास की अनुमति मिल रही है एवं लगभग 2 लाख से अधिक भारतीय उच्च शिक्षण प्राप्त करने के लिए प्रतिवर्ष विदेश जाते हैं। अमेरिका में 40 लाख से अधिक भारतीय मूल के नागरिक निवास कर रहे हैं जो अमेरिका की कुल जनसंख्या का लगभग 1.2 प्रतिशत है। अमेरिका में प्रतिवर्ष 80 प्रतिशत से अधिक एच1बी वीजा भारतीय मूल के नागरिकों को प्रदान किए जा रहे हैं। वर्ष 2016 में आस्ट्रेलिया में 11.31 लाख भारतीय मूल के नागरिक निवास कर रहे थे जो आस्ट्रेलिया की कुल जनसंख्या का 4.7 प्रतिशत है। वर्ष 2011 के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, ब्रिटेन में भारतीय मूल के 14.5 लाख नागरिक निवासरत थे, जो ब्रिटेन की कुल जनसंख्या का 2.3 प्रतिशत हिस्सा हैं। सिंगापुर में भारतीय मूल के नागरिकों की कुल 7 लाख से अधिक की संख्या, चीन एवं मलाया के बाद तीसरे स्थान पर है और यह सिंगापुर की कुल जनसंख्या का 9 प्रतिशत है।

भारत के बाद जिन अन्य देशों से बहुत बड़ी संख्या में नागरिक अन्य देशों में बस गए हैं उनमें रूस, मैक्सिको, चीन एवं सीरिया शामिल हैं। रूस एवं मेक्सिको से 1.1 करोड़ से अधिक नागरिक, चीन से एक करोड़ से अधिक नागरिक एवं सीरिया से 80 लाख से अधिक नागरिक दूसरे देशों की नागरिकता प्राप्त कर चुके हैं। मैक्सिको के 98 प्रतिशत नागरिकों ने अमेरिका की नागरिकता ली हुई है। सीरिया के 45 प्रतिशत नागरिकों ने टर्की की नागरिकता ली हुई है। जबकि भारतीय मूल के नागरिक पूरे विश्व में फैले हुए हैं। सबसे अधिक लगभग 35 लाख से अधिक भारतीय नागरिकों ने यूनाइटेड अरब अमीरात में नागरिकता ली हुई है जो भारत से कुल बाहर गए नागरिकों का 19 प्रतिशत है। अमेरिका में 27 लाख से अधिक भारतीय मूल के नागरिकों ने नागरिकता ली हुई है, सऊदी अरब में 25 लाख से अधिक भारतीयों ने नागरिकता ली है। इसी प्रकार, आस्ट्रेलिया, कनाडा, कुवैत, ओमान, कतर, ब्रिटेन जैसे देशों में बहुत बड़ी संख्या में भारतीयों ने नागरिकता प्राप्त की है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्व की कुल जनसंख्या के 3.6 प्रतिशत नागरिक विभिन्न देशों में जाकर बस गए हैं। अमेरिका में सबसे अधिक 5.1 करोड़ नागरिक अन्य देशों से आकर बस गए हैं। जो अमेरिका की कुल जनसंख्या का 16 प्रतिशत है। जर्मनी में 1.6 करोड़ से अधिक नागरिक अन्य देशों से आकर बस गए हैं। सऊदी अरब में 1.3 करोड़ से अधिक नागरिक, रूस में 1.2 करोड़ से अधिक नागरिक एवं ब्रिटेन में 90 लाख से अधिक नागरिक अन्य देशों से आकर बस गए हैं।

आज विश्व के लगभग 50 से अधिक देशों में भारतीय मूल के नागरिकों की संख्या प्रभावशाली स्तर पर पहुंच गई है। अब समय आ गया है कि इन देशों में निवास कर रहे भारतीय मूल के नागरिकों द्वारा भारतीय सनातन दर्शन को पूरे विश्व को देने का प्रयास किया जाना चाहिए ताकि पूरे विश्व में शांति स्थापित की जा सके। भारत में भी इस सम्बंध में गम्भीरता से विचार किया जाना चाहिए कि किस प्रकार इन देशों में निवास कर रहे भारतीय मूल के नागरिकों के माध्यम से भारतीय सनातन दर्शन को विस्तार देने का कार्य किया जा सकता है। आज दरअसल विश्व के लगभग सभी देश आतंकवाद एवं पूंजीवाद के चलते निर्मित हुई विपरीत परिस्थितियों से त्रस्त हैं एवं इन देशों के नागरिक इन परेशानियों से छुटकारा पाना चाहते हैं जोकि केवल भारतीय सनातन दर्शन में ही सम्भव दिखाई देती है।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के अनुसार शिंदे समेत 16 बागी विधायक अयोग्य : राउत

मुंबई। उच्चतम न्यायालय द्वारा महाराष्ट्र के राजनीतिक संकट पर फैसला सुनाये जाने के कुछ ही देर बाद शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने कहा कि अगर शीर्ष अदालत ने पाया है कि शिवसेना के उद्धव ठाकरे नीत खेमे के सुनील प्रभु अधिकारिक सचेतक थे तो इस टिप्पणी के हिसाब से मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे समेत 16 बागी विधायक अयोग्य साबित होते हैं। उन्होंने कहा कि जब सरकार बनाने की प्रक्रिया ही अवैध थी तो शिंदे सरकार अवैध हुई। राज्यसभा सदस्य राउत ने कहा, "न्यायालय की टिप्पणियों के अनुसार सुनील प्रभु शिवसेना के आधिकारिक सचेतक थे इसलिए बागी विधायक अयोग्य साबित हो जाते हैं।"

उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि पिछले साल 30 जून को महाराष्ट्र विधानसभा में बहुमत साबित करने के लिए राज्यपाल द्वारा तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को बुलाना सही नहीं था। हालांकि न्यायालय ने पूर्व की स्थिति बहाल करने से इनकार करते हुए कहा कि ठाकरे ने शक्ति परीक्षण से पहले ही इस्तीफा दे दिया था।

इमरान खान के करीबी सहायक शाह महमूद कुरैशी गिरफ्तार, हिंसाग्रस्त इलाकों में सेना तैनात

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में हिंसा के बीच पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के करीबी सहायक एवं पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी को पुलिस ने बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया। इस हिंसा में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गयी है तथा देश की राजधानी और तीन प्रांतों में सेना बुलानी पड़ी है। कुरैशी की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी द्वारा ट्विटर पर साझा किए गये एक वीडियो में सादे कपड़ों में कुछ लोग उन्हें ले जाते हुए दिखे और वह हिरासत में लिए जाने वाले स्थान से रवाना होने से पहले पार्टी कार्यकर्ताओं की ओर हाथ हिलाते हुए नजर आए। पीटीआई ने दावा किया कि इस्लामाबाद पुलिस ने बृहस्पतिवार तड़के 66 वर्षीय कुरैशी को गिरफ्तार किया तथा उन्हें एक "अज्ञात स्थान" पर ले जाया गया है।

उनकी गिरफ्तारी से दो दिन पहले मंगलवार को इमरान खान को अर्धसैनिक बलों ने उस समय गिरफ्तार कर लिया था जब वह भ्रष्टाचार के एक मामले में सुनवाई के लिए इस्लामाबाद उच्च न्यायालय में मौजूद थे। राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) के आदेश पर मंगलवार को अर्द्धसैनिक बल ने इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के एक कक्ष में घुस कर खान (70) को हिरासत में ले लिया था। बुधवार को एक भ्रष्टाचार रोधी अदालत ने 70 वर्षीय खान को आठ दिन की रिमांड में भेज दिया। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री खान को भ्रष्टाचार के मामले में अदालत परिसर से नाटकीय ढंग से गिरफ्तार किए जाने के बाद देशभर में व्यापक पैमाने पर हिंसक प्रदर्शन हुए जिसमें कम से कम आठ लोगों की मौत हो गयी तथा प्रदर्शनकारियों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच झड़पों में करीब 300 अन्य लोग घायल हो गए।

हिंसा के कारण प्राधिकारियों को बुधवार को राजधानी इस्लामाबाद के साथ ही पंजाब, खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांतों में कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए सेना को तैनात करना पड़ा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बुधवार को राष्ट्र के नाम दिए संबोधन में अल-कादिर ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तारी के बाद पूर्व प्रधानमंत्री खान के समर्थकों द्वारा किए गए हिंसक विरोध प्रदर्शनों की निंदा की और प्रदर्शनकारियों से सख्ती से निपटने की चेतावनी दी। प्रधानमंत्री ने कहा, 'सार्वजनिक संपत्ति पर हमला आतंकवाद और देश के प्रति शत्रुता का कार्य है।' उन्होंने कहा कि कानून को अपने हाथ में लेने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा। खबरों के अनुसार, लाहौर तथा पेशावर में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं और वहां आगजनी तथा गोलीबारी की घटनाएं हुईं। पाकिस्तानी सेना ने अपने प्रतिष्ठानों पर हमले को लेकर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के समर्थकों को 'कड़ा जवाब' देने की चेतावनी दी और कहा कि किसी को भी कानून हाथ में नहीं लेने दिया जाएगा। साथ ही, उसने नौ मई को उसके प्रतिष्ठानों पर हमलों को देश के इतिहास का 'काला अध्याय' करार दिया। इसके कुछ घंटों बाद शरीफ ने देश को संबोधित किया। खान के समर्थकों ने मंगलवार को सेना के जनरल मुख्यालय और कई अन्य सैन्य संपत्तियों और प्रतिष्ठानों पर धावा बोला। उन्होंने सैन्य वाहनों और प्रतिष्ठानों पर हमला किया और लाहौर कोर कमांडर के आवास में आग लगा दी।

सेना की मीडिया शाखा अंतर सेवा जनसंपर्क (आईएसपीआर) ने कहा, 'हम किसी को भी कानून हाथ में नहीं लेने देंगे।' आईएसपीआर ने कहा कि एक तरफ ये बदमाश अपने सीमित और स्वार्थी उद्देश्यों को हासिल करने के लिए देश की भावनाओं को भड़काते हैं और दूसरी तरफ लोगों को धोखा देते हैं। उसने कहा कि यह पाखंड की एक मिसाल है। पीटीआई ने खान को रिहा करने तक प्रदर्शन जारी रखने की घोषणा की है। 'डॉन' अखबार में प्रकाशित एक खबर के अनुसार, पीटीआई ने आईएसपीआर के बयान का खंडन जारी करते हुए इसे "तथ्यों से परे" और "जमीनी हकीकत की खराब समझ पर आधारित" बताया। पुलिस ने पीटीआई के एक अन्य शीर्ष नेता फवाद चौधरी को भी उच्चतम न्यायालय की इमारत से बाहर निकलते वक्त बुधवार को गिरफ्तार कर लिया था। वह गिरफ्तारी से संरक्षण के लिए अदालत पहुंचे थे। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने पाकिस्तान में शांति की अपील की है। इस्लामाबाद पुलिस ने महानिरीक्षक (आईजी) अकबर नासिर खान के हवाले से एक संक्षिप्त बयान जारी किया था, जिसमें कहा गया था कि इमरान को इस मामले के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है, जिसमें आरोप है कि बहरिया टाउन ने पीटीआई अध्यक्ष एवं उनकी पत्नी बुशरा बीबी के स्वामित्व वाले अल-कादिर ट्रस्ट को 53 करोड़ रुपये की जमीन आवंटित की थी।

व्हाइट हाउस में नयी भूमिका को लेकर काफी उत्साहित हूं : नीरा टंडन

वाशिंगटन। जल्द ही व्हाइट हाउस की घरेलू नीति सलाहकार का पद संभालने वाली भारतीय-अमेरिकी नीरा टंडन ने कहा कि वह प्रशासन में अपनी नयी भूमिका को लेकर "उत्साहित" हैं। सार्वजनिक नीति में विशेषज्ञता रखने वाली टंडन व्हाइट हाउस की घरेलू नीति सलाहकार के रूप में सुजैन राइस का स्थान लेंगी। टंडन (52) व्हाइट हाउस में इस प्रभावशाली पद पर नियुक्त होने वाली पहली एशियाई-अमेरिकी नागरिक हैं। वह अभी राष्ट्रपति जो बाइडन की वरिष्ठ सलाहकार तथा स्टाफ सचिव हैं।

टंडन ने एएपीआई विक्ट्री फंड' द्वारा आयोजित 'एएएनएचपीआई विमेंस सेलीब्रेशन' में अपने संबोधन में कहा, "मैं व्हाइट हाउस में अपनी नयी भूमिका को लेकर बहुत उत्साहित हूं और मैं प्रशासन का हिस्सा बनकर काफी रोमांचित हूं जिसमें कई एएएनएचपीआई (एशियाई अमेरिकी, मूल हवाई और प्रशांत द्वीप वासी) नेता हैं, कई सारी एएएनएचपीआई महिला नेता हैं... कई सारे नेता हैं जो हमारे समुदाय की बड़ी विविधता का प्रतिनिधित्व करते हैं।" टंडन ने ओबामा तथा क्लिंटन दोनों प्रशासनों में काम किया है। वह राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव प्रचार तथा कई थिंक टैंक भी काम कर चुकी हैं।

7 जजों की बेंच करेगी महाराष्ट्र मामले की सुनवाई, सुप्रीम कोर्ट ने माना राज्यपाल का फैसला था गलत

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे के बीच एक साल पहले हुए सत्ता संघर्ष के मामले में आज सुप्रीम कोर्ट के 5 जजों की संवैधानिक पीठ ने अपना फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि इस मामले को बड़ी बेंच में भेजा जाएगा। नई बेंच में सात जज हो सकते हैं। संविधान पीठ में भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति एमआर शाह, न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी, न्यायमूर्ति हेमा कोहली और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा ने 14 फरवरी 2023 को मामले की सुनवाई शुरू की और आखिरकार 16 मार्च 2023 को फैसला सुरक्षित रख लिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने माना कि वह उद्धव ठाकरे सरकार की बहाली का आदेश नहीं दे सकता क्योंकि उन्होंने फ्लोर टेस्ट का सामना किए बिना इस्तीफा दे दिया था, हालांकि फ्लोर टेस्ट के लिए राज्यपाल का फैसला गलत था और एकनाथ शिंदे समूह का व्हिप नियुक्त करने में स्पीकर गलत थे। नबाम रेबिया के फैसले पर भरोसा नहीं किया गया और केवल महाराष्ट्र डिप्टी स्पीकर के नोटिस का जवाब देने के लिए समय बढ़ाया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने नबाम रेबिया मामले में अपने 2016 के फैसले को एक बड़ी बेंच को भेज दिया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि 27 जून, 2022 के आदेश में सीजेआई ने कहा कि अगर स्पीकर और सरकार अविश्वास प्रस्ताव को दरकिनार करते हैं, तो राज्यपाल को मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह के बिना फ्लोर टेस्ट के लिए बुलाना उचित है। बचाव दसवीं अनुसूची के भीतर पाया जाना चाहिए क्योंकि यह वर्तमान में है। कोई गुट या समूह यह तर्क नहीं दे सकता है कि वे अयोग्यता की कार्यवाही के बचाव में मूल पार्टी का गठन करते हैं। दसवीं अनुसूची के तहत विभाजन का बचाव अब उपलब्ध नहीं है। विधायकों द्वारा व्यक्त की गई सुरक्षा चिंताओं का सरकार के समर्थन पर कोई असर नहीं पड़ता है। यह एक बाहरी विचार था जिस पर राज्यपाल ने भरोसा किया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल द्वारा भरोसा किए गए किसी भी संचार में ऐसा कुछ भी नहीं है जिससे यह संकेत मिले कि असंतुष्ट विधायक सरकार से समर्थन वापस लेना चाहते हैं। याचिकाओं के बैच में कई मुद्दों पर शिंदे और ठाकरे के समूहों के सदस्यों द्वारा दायर याचिकाएं शामिल हैं। पहली याचिका एकनाथ शिंदे ने जून 2022 में कथित दल-बदल को लेकर संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत बागियों के खिलाफ तत्कालीन डिप्टी स्पीकर द्वारा जारी नोटिस को चुनौती देते हुए दायर की थी। बाद में, ठाकरे समूह ने सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर की जिसमें महाराष्ट्र के राज्यपाल द्वारा विश्वास मत के लिए बुलाए जाने के फैसले, भाजपा के समर्थन से सरकार के मुख्यमंत्री के रूप में एकनाथ शिंदे का शपथ ग्रहण, नए अध्यक्ष का चुनाव वगैरह को चुनौती दी। अगस्त 2022 में, भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना के नेतृत्व वाली 3-न्यायाधीशों की पीठ ने याचिकाओं को एक संविधान पीठ के पास भेज दिया था।

संक्षिप्त समाचार

दूरसंचार विभाग ने बिहार और झारखंड में 2.25 लाख मोबाइल नंबर निष्क्रिय किए

पटना। दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने जाली दस्तावेजों के आधार पर प्राप्त सिम कार्डों का इस्तेमाल कर वित्तीय धोखाधड़ी के खतरे को रोकने के लिए बिहार और झारखंड में 2.25 लाख से अधिक मोबाइल नंबरों को निष्क्रिय कर दिया है। दूरसंचार सेवा प्रदाताओं ने डिजिटल लेन देन में इस्तेमाल होने वाले 517 प्वाइंट ऑफ सेल्स (पीओएस) को भी काली सूची में डाल दिया है, जो प्रथम दृष्टया सिम कार्ड जारी करते समय अनैतिक और अवैध कार्यों में शामिल पाए गए हैं। विशेष महानिदेशक दूरसंचार, डीओटी (लाइसेंस सेवा क्षेत्र-एलएसए-बिहार) द्वारा यहां जारी एक बयान के अनुसार, 'अप्रैल 2023 के महीने में ही, दोनों राज्यों में 2.25 लाख से अधिक मोबाइल नंबर निष्क्रिय कर दिए गए हैं।

न्यायालय का फैसला तय करेगा कि देश में लोकतंत्र है या नहीं

मुम्बई। महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे नीत सरकार के भविष्य पर उच्चतम न्यायालय का फैसला आने से एक दिन पहले बुधवार को विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाड़ी (एमवीए) ने कहा कि इससे स्पष्ट हो जाएगा कि देश में लोकतंत्र है या नहीं और क्या न्यायपालिका स्वतंत्र रूप से निर्णय ले रही है। वहीं, दूसरी ओर शिवसेना प्रवक्ता और पार्टी विधायक संजय शिरसाट ने कहा, "हमने नतीजे देखे हैं...निर्वाचन आयोग ने हमें पार्टी का नाम और चिह्न दिया तथा हमने इसी के साथ पहला चरण पार कर लिया।" पिछले साल जून में शिंदे और 39 विधायकों ने अविभाजित शिवसेना के नेतृत्व के खिलाफ बगावत कर दी थी, जिससे पार्टी विभाजित हो गई और राज्य में एमवीए सरकार गिर गई।

फिर आतंकियों के साथ खड़ा हुआ चीन, मसूद अजहर के लिए भाई केलिए यूएन में भारत के प्रस्ताव का किया विरोध

संयुक्त राष्ट्र। सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी अब्दुल रऊफ अजहर को काली सूची में डालने के भारत के प्रस्ताव पर चीन ने आपत्ति जताई है। जैश सरगना मसूद अजहर का भाई अब्दुल रऊफ का जन्म 1974 में पाकिस्तान में हुआ था। भारत में कई आतंकी हमलों की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने में शामिल रहा है, जिसमें 1999 में इंडियन एयरलाइंस के विमान घ्र814 का अपहरण, 2001 में संसद पर हमला, 2016 में पठानकोट में आईएएफ बेस को निशाना बनाना शामिल है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 घ्घ्घ् और अल कायदा प्रतिबंध सूची में वश के अब्दुल रऊफ को जोड़ने के भारत के प्रस्ताव पर चीन ने आपत्ति जताई थी। रउफ अजहर पर अमेरिका ने दिसंबर 2010 में प्रतिबंध लगाया था। पिछले साल अगस्त में, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एक स्थायी, वीटो-धारक सदस्य चीन ने रऊफ अजहर को वैश्विक आतंकवादी के रूप में नामित करने और उसकी संपत्ति जब्त करने, यात्रा प्रतिबंध और उसके अधीन करने के भारत और अमेरिका के प्रस्ताव पर रोक लगा दी थी।

इस्लामाबाद के सदाबहार दोस्त बीजिंग ने पिछले साल पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों हाफिज तलह सईद, लश्कर-ए-तैयबा के नेता शाहिद महमूद और लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी साजिद मीर को अलकायदा प्रतिबंध शासन के तहत ब्लैकलिस्ट करने के प्रस्तावों पर रोक लगा दी थी। पिछले साल जून में, चीन ने 1267 प्रतिबंध समिति के तहत पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूह लश्कर-ए-तैयबा के उप प्रमुख अब्दुल रहमान मक्की को नामित करने के भारत और अमेरिका के संयुक्त प्रस्ताव पर रोक लगा दी थी।

ईडी ने एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया

रायपुर/नयी दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने छत्तीसगढ़ के धनशोधन मामले से जुड़े 2,000 करोड़ रुपए के कथित शराब सिंडिकेट घोटाले में एक और गिरफ्तारी की है। आधिकारिक सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान अभी सार्वजनिक नहीं गई है, लेकिन बताया जा रहा है कि वह होटल कारोबार से जुड़ा है। एजेंसी ने पिछले सप्ताह रायपुर के महापौर एवं कांग्रेस नेता एजाज ढेबर के बड़े भाई अनवर ढेबर को गिरफ्तार किया था, जो इस मामले में की गई पहली गिरफ्तारी है। सूत्रों ने बताया कि अनवर की चार दिन की हिरासत की अवधि समाप्त होने पर उन्हें बुधवार को रायपुर में एक विशेष धनशोधन निवारण कानून (पीएमएलए) अदालत के समक्ष पेश किया गया था।

भारत के आत्मसम्मान के खिलाफ उठाए गए हर कदम का मुंहतोड़ जवाब देंगे : राजनाथ सिंह

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को यहां कहा कि 1998 में देश के परमाणु परीक्षण ने दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत भले ही एक शांतिप्रिय देश है लेकिन वह आत्मसम्मान के खिलाफ उठाए गए किसी भी कदम को बर्दाश्त नहीं करेगा। सिंह ने यहां राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि बाहरी आक्रमणकारियों द्वारा नालंदा में शिक्षा केंद्र और सोमनाथ में सांस्कृतिक प्रतीक को तबाह किए जाने के बाद भारत ने इतिहास से सबक सीखा है। सिंह ने 1998 के पोकरण-द्वितीय परमाणु परीक्षण की 25वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित समारोह में कहा, "हमने इतिहास से सबक सीखे हैं और संकल्प लिया है कि हम इस तरह के इतिहास को दोहराने की अनुमति नहीं देंगे।"

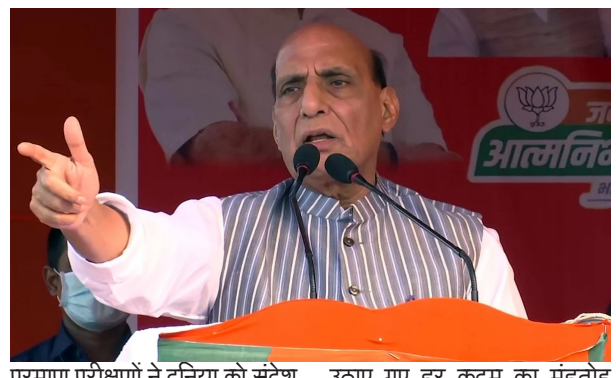

रक्षा मंत्री ने कहा, "भारत के परमाणु परीक्षणों ने दुनिया को संदेश दिया है कि हम भले ही एक शांतिप्रिय राष्ट्र हैं, लेकिन हम नालंदा को फिर से जलता हुआ नहीं देखेंगे। हम सोमनाथ जैसे अपने सांस्कृतिक प्रतीक को फिर से बर्बाद किया जाना बर्दाश्त नहीं करेंगे।" सिंह ने कहा, "हम अपने आत्मसम्मान के खिलाफ उठाए गए हर कदम का मुंहतोड़ जवाब देंगे।" इस समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह और शीर्ष वैज्ञानिक भी उपस्थित थे।

मणिपुर में शांति का माहौल, पूर्वोत्तर राज्यों में बनेगा भूमि शासन कार्यबल, सरमा ने सरकार की दूसरी वर्षगाँठ पर दी कई सौगातें

लखनऊ (एजेंसी)। मणिपुर के पूर्वी इंफाल जिले में अज्ञात उग्रवादियों ने बुधवार को गोलीबारी की जिसमें असम राइफल्स का एक जवान घायल हो गया जबकि हिंसा प्रभावित राज्य में कई स्थानों में जनजीवन फिर से पटरी पर लौट रहा है। अधिकारियों ने बताया कि इंफाल पश्चिम, बिष्णुपुर, चूराचांदपुर और जिरिबाम सहित 11 प्रभावित जिलों में बुधवार को सुबह पांच बजे से छह घंटे के लिए कर्फ्यू में ढील दी गई। मंगलवार को इन जिलों में कर्फ्यू में चार घंटे की ढील दी गई थी। रक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि अस्थायी शिविरों में शरण लिए लोग भी अब अपने-अपने घर लौटने लगे हैं। हम आपको बता दें कि पिछले सप्ताह मणिपुर में हुई हिंसा में 60 लोग मारे गए थे और 30,000 से अधिक बेघर हो गए थे। मणिपुर के सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री सपम रंजन सिंह ने बताया कि विस्थापित हुए 30,000 लोगों में से 26,000 को हिंसा प्रभावित जिलों से सुरक्षित जगहों पर पहुंचा दिया गया है, जबकि 4,000 लोगों ने अपने घरों के पास बनाए गए राहत शिविरों में शरण ली है। अधिकारियों के मुताबिक, भारतीय सेना और असम राइफल्स के कुल 128 'कॉलम' या करीब 10,000 सैनिकों ने प्रभावित क्षेत्रों में फ्लैग मार्च बुधवार को भी जारी रखा और मानवरहित विमानों (यूएवी) की मदद से चौबीसों घंटे हवाई निगरानी की।

रक्षा विभाग के जनसंपर्क अधिकारी ने एक बयान जारी कर कहा, 'भारतीय सेना ने असम राइफल्स के साथ मिलकर सुरक्षा ढांचे को महत्वपूर्ण रूप से फिर से आकार दिया है और मणिपुर में, विशेष रूप से मौजूदा सुरक्षा स्थिति की पृष्ठभूमि में कई संसाधनों का इस्तेमाल किया गया है, जिसके चलते स्थिति अब सामान्य होती दिखाई देने लगी है और लोग अब अपने घरों की ओर लौट रहे हैं। फंसे हुए लोगों को अपनों से मिलाने का काम भी शुरू हो गया है।' बयान में कहा गया है, 'भारतीय सेना न केवल भीतरी इलाकों में, बल्कि भारत-म्यांमा सीमा पर स्थित क्षेत्रों में भी निगरानी करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। मानवरहित विमानों के माध्यम से चौबीसों घंटे निगरानी, भारतीय वायुसेना और सेना के एमआई 17 व चीता हेलीकाप्टरों की तैनाती तथा जमीनी स्तर पर स्थानीय लोगों में विश्वास बहाली के लिए पैदल गश्त और फ्लैग मार्च का सहारा लिया जा रहा है।' बयान में सेना ने लोगों से यह भी आग्रह किया है कि वे 'गलत व्याख्या या तथ्यों की गलतबयानी के जरिये सामाजिक सद्भाव बिगाड़ने के दुर्भावनापूर्ण प्रयासों' के झांसे में न आएं, क्योंकि 'विरोधी तत्व एक बार फिर दुर्भावनापूर्ण असत्यापित सामग्री के प्रसार का प्रयास कर सकते हैं।' सेना ने कहा है, 'चूंकि, मणिपुर में समुदायों के बीच धीरे-धीरे शांति और सद्भाव बहाल होता दिखाई दे रहा है, ऐसे में दुश्मन तत्व एक बार फिर दुर्भावनापूर्ण असत्यापित सामग्री फैलाने का प्रयास कर सकते हैं। भारतीय सेना और असम राइफल्स जल्द से जल्द पूरी तरह से सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम सभी से अनुरोध करते हैं कि गलत व्याख्या या तथ्यों की गलतबयानी के जरिये क्षेत्र में सद्भाव को बिगाड़ने के किसी भी दुर्भावनापूर्ण प्रयास को कामयाब न होने दें।'

उधर, असम से आई खबरों की बात करें तो आपको बता दें कि असम सरकार ने प्रत्येक गरीब परिवार को पांच लाख रुपये प्रतिवर्ष तक का कैशलेस चिकित्सा उपचार मुहैया कराने वाली स्वास्थ्य देखभाल योजना आरंभ की है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस योजना का मकसद सुगम तथा किफायती स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं को बढ़ावा देना है और इसके दायरे में शुरुआत में करीब 26 लाख परिवार आएंगे। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने अपनी सरकार के दो साल पूरे होने के मौके पर 'आयुष्मान असम- मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना' शुरू की। बयान में कहा गया है कि इस योजना के लाभार्थी वे लोग होंगे जिनके नाम राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून (एनएफएसए) की सूची में शामिल हैं।

इसके अलावा, पूर्वोत्तर राज्यों में 'भूमि शासन' के लिए एक कार्य बल गठित किया जाएगा। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने बताया कि असम के गुवाहाटी में तीन-चार मई को हुए 'पूर्वोत्तर राज्यों में भूमि शासन पर राष्ट्रीय सम्मेलन' में इस बाबत फैसला किया गया है। असम, त्रिपुरा, मिजोरम और मेघालय राज्यों में प्रादेशिक और स्वायत्त जिला परिषदों ने भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण और आधुनिकीकरण को विकास के लिए जरूरी बताया है। यह इस प्रकार का पहला राष्ट्रीय सम्मेलन था। इसमें वर्तमान समय में जारी राज्य

कार्यप्रणालियों और भूमि अभिलेखों के आधुनिकीकरण व भूमि शासन आकलन ढांचे पर सत्र शामिल थे। साथ ही परंपरागत और स्वदेशी कानून, वर्तमान कार्यप्रणालियों और नई पहल तथा भूमि रिकॉर्ड आधुनिकीकरण में भारत के सर्वेक्षण की भूमिका पर भी एक सत्र हुआ था।

ग्रामीण विकास मंत्रालय के बयान के मुताबिक, बोडोलैंड प्रादेशिक परिषद, कार्बी आंगलोंग स्वायत्त जिला परिषद और दीमा हसाओ स्वायत्त जिला परिषद के तहत आने वाले क्षेत्रों को छोड़कर असम के बाकी हिस्सों में भूमि अभिलेखों और नक्शों के कम्प्यूटरीकरण और डिजिटलीकरण की पहल ने अच्छी प्रगति दिखाई है। बोडोलैंड भूमि की नीति तैयार की जा रही है और शीघ्र ही इसे अंतिम रूप दिए जाने की संभावना है। मंत्रालय ने कहा कि कार्बी आंगलोंग क्षेत्रों में अभी सर्वेक्षण नहीं किया गया है जबकि दीमा हसाओ स्वायत्त जिला परिषद ने असम भूमि विनियमन अधिनियम को अपनाया है। बयान के मुताबिक, त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त परिषद में आठ जिले और लगभग 10,000 वर्ग किलोमीटर का क्षेत्र छठी अनुसूची और 10 प्रथागत कानूनों के तहत आते हैं। छठी अनुसूची के तहत 'लाई' स्वायत्त जिला परिषद क्षेत्र में सर्वेक्षण/पुनः सर्वेक्षण की आवश्यकता महसूस की गई। बयान में कहा गया है कि मेघालय के खासी हिल्स स्वायत्त जिला परिषद क्षेत्रों में भूमि का अधिकांश हिस्सा खासी समुदाय के अधीन है। गारो हिल्स स्वायत्त जिला परिषद में जिला परिषद द्वारा वार्षिक पट्टा जारी करने की व्यवस्था है। मेघालय की जयंतिया हिल्स स्वायत्त जिला परिषद 'मेघालय भूमि सर्वेक्षण और अभिलेख तैयारी अधिनियम 1980' का पालन करती है।

भूमि संसाधन विभाग के सचिव अजय तिर्की ने कहा कि राज्यों में विभिन्न स्वायत्त जिला परिषदों के डिजिटलीकरण और उनके भूमि अभिलेखों का आधुनिकीकरण करने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। उन्होंने कहा कि संवैधानिक ढांचे और स्थापित कानूनों के भीतर परिषदों का समर्थन करने के लिए सभी प्रयास किए जाएंगे। इस बयान में कहा गया है कि इस दिशा में एक कदम आगे बढ़ते हुए, बोडोलैंड प्रादेशिक परिषद ने भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण और आधुनिकीकरण के लिए एक प्रस्ताव रखा और भूमि संसाधन विभाग ने उसे विधिवत मंजूरी दे दी। बयान में कहा गया है, "भूमि संसाधन विभाग के सचिव ने पूर्वोत्तर राज्यों में आवश्यक कार्य को देखते हुए सूचित किया कि पूर्वोत्तर राज्यों में भूमि शासन के लिए उचित प्रक्रिया के बाद विभिन्न स्वायत्त जिला परिषदों के साथ मिलकर सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के साथ एक कार्यबल का गठन किया जाएगा।'

इसके अलावा, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने घोषणा की है कि असम सरकार ने यह पता लगाने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित करने का फैसला किया है कि राज्य विधानमंडल को बहुविवाह पर रोक लगाने का अधिकार है या नहीं। उन्होंने कहा कि समिति भारत के संविधान के अनुच्छेद 25--राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांत और मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरीयत) अधिनियम, 1937 के प्रावधानों पर गौर करेगी। हिमंत विश्व शर्मा ने अपनी सरकार की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर संवाददाता सम्मेलन में कहा कि समिति कानूनी विशेषज्ञों सहित सभी हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श करेगी, ताकि एक सुविचारित निर्णय लिया जा सके। उन्होंने कहा, 'हम समान नागरिक संहिता (यूसीसी) की ओर नहीं जा रहे हैं, जिसके लिए राष्ट्रीय सहमति की आवश्यकता है और केंद्र सरकार इस बारे में पहल करेगी।' उन्होंने कहा, 'हम यूसीसी के एक घटक के रूप में राज्य में बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने के अपने इरादे की घोषणा कर रहे हैं।' शर्मा ने कहा कि इस मुद्दे पर फैसला आम सहमति से लिया जाएगा न कि 'जबरदस्ती या आक्रामकता से'।

इसके अलावा, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि वह उस मामले की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं जिसमें एक डॉक्टर दंपति को उस बच्ची का यौन शोषण करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, जिसके बारे में दावा किया गया था उन्होंने उसे गोद लिया था। हिमंत विश्व शर्मा ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि वह गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर छह महीने के भीतर न्याय सुनिश्चित करने के लिए कहेंगे। उन्होंने कहा, "मैंने पुलिस से 30-45 दिनों के भीतर आरोपपत्र दाखिल करने को कहा है। मैं दिन-प्रतिदिन के आधार पर मामले की निगरानी कर रहा हूं।' हम आपको बता दें कि शनिवार को गुवाहाटी में एक डॉक्टर और उनके परिवार की घरेलू सहायिका को गिरफ्तार किया गया था, जबकि उनकी मनोचिकित्सक पत्नी को रविवार को शहर से भागने की कोशिश करते हुए पकड़ा गया था। पुलिस ने डॉक्टर दंपति और उनकी घरेलू सहायिका के खिलाफ आईपीसी की विभिन्न धाराओं के साथ-साथ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (पोक्सो) के तहत मामला दर्ज किया है।

इसके अलावा, असम में राज्य स्तरीय पुलिस भर्ती बोर्ड (एर्ड्ड्ड) ने पुलिस समेत विभिन्न सरकारी विभागों में 5400 से ज्यादा अभ्यर्थियों को चयनित घोषित किया। एर्ड्ड्ड के अध्यक्ष और राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) जी.पी. सिंह ने यह जानकारी दी। यह भर्ती अभियान असम पुलिस, नागरिक सुरक्षा महानिदेशक और होम गार्ड कमांडेंट, असम पुलिस रेडियो संगठन (एपीआरओ), अग्निशमन एवं आपात सेवा (एफ एंड ईएस), कारागार, आबकारी एवं वन विभागों की ओर से चलाया गया था। हम आपको बता दें कि विभिन्न विभागों की ओर से आयोजित भर्ती अभियानों के नतीजे बीते कुछ दिनों से घोषित किए जा रहे हैं।

साउथ की ऐश्वर्या ने पहनी मां की साड़ी, फैन्स हुए लट्टू

मुम्बई। हर लड़की ने कभी न कभी अपनी जिंदगी में मां की साड़ी जरूर पहनी होती है और इसमें फिल्मी दुनिया की हसीनाएं भी शामिल हैं। इस लिस्ट में अब नया नाम साउथ की फिल्मों की ऐक्ट्रेस ऐश्वर्या लक्ष्मी का भी जुड़ गया है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वह अपनी मां की बेहद खूबसूरत साड़ी पहनी दिखाई दे रही हैं।

शेयर किए गए फोटो में ऐश्वर्या ब्लू सिल्क साड़ी पहनी देखी जा सकती हैं। इस साड़ी पर ओवरऑल सिल्वर थ्रेड से पोल्का डॉट्स डिजाइन्स बनाई गई थीं। वहीं बॉर्डर पर प्लेन सिल्वर थ्रेड स्टिच की गई थी। इस ब्रॉड बॉर्डर से साड़ी का लुक और खास बनता दिखाई दे रहा था। ऐश्वर्या ने इस लुक को पूरा करते हुए नथ और कानों में झुमके पहने थे। इसके अलावा उन्होंने कोई और जूलरी पहनना अवॉइड किया था, जो दिखाता है कि वह सिर्फ उस साड़ी को हाईलाइट करना चाहती थीं। वहीं उन्होंने मेकअप को न्यूड टोन रखते हुए, आईज को हाईलाइट किया है। उन्होंने बालों को लूज बन में स्टाइल किया था। दूसरी तस्वीर में ऐश्वर्या की मां को भी सेम साड़ी में देखा जा सकता है। वैसे आपको बता दें कि, ऐश्वर्या ने एक मैगजीन फोटोशूट के लिए मां की इस साड़ी को पहना था।

यह पहली बार नहीं है जब ऐश्वर्या लक्ष्मी ने अपने साड़ी लुक से इम्प्रेस किया हो। इस बाला के पास सिल्क साडि़यों का अच्छा खासा कलेक्शन है। उन्होंने तो सिल्क साडि़यों में फोटोशूट तक करवाया था, जिसमें कई ऐसे शेड्स नजर आए थे, जिन्हें साड़ी लवर लड़कियां अपनी वॉरड्रोब में जरूर शामिल करना चाहेंगी।

ऋषि के निधन के बाद अब पाक ने दिया कपूर खानदान को बड़ा धोखा

मुम्बई। बॉलीवुड अभिनेता ऋषि कपूर का निधन 30 अप्रैल 2020 को हो गया था। जिसके बाद पूरे बॉलीवुड में मातम सा छा गया। ऋषि कपूर बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेताओं में से एक थे। उनकी लोकप्रियता भारत के साथ-साथ पूरी दुनिया में है। ऋषि कपूर को भारत की तरह ही पाकिस्तान में भी लोग प्यार करते थे। पाकिस्तान से ऋषि कपूर का पुराना नाता रहा है। दरअसल पाकिस्तान में बॉलीवुड अभिनेता ऋषि कपूर के पैतृक घर हैं जिसे 'कपूर हवेली' के नाम से जाना जाता है। वह हवेली की तरह बनी बहुत ही पुरानी इमारत है। बॉलीवुड में कपूर खानदान का दबदबा रहा है। दो साल पहले कपूर परिवार ने पाकिस्तान सरकार से ये निवेदन किया था कि इस हवेली को संग्रालय के तौर पर बना दे। इस मांग को पाकिस्तान सरकार ने कबूल किया था। इस बात की जानकारी ऋषि कपूर ने खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर दी थी। विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने ऋषि कपूर को आश्वासन दिया था कि पाकिस्तान सरकार अभिनेता के घर को एक संग्रहालय में बदल देगी।

फिरोज खान को पाक ने कर दिया था बैन, जानें कैसे दुश्मन देश को उसकी ही धरती पर जलील करके आये थे

मुम्बई।बॉलीवुड में तो वैसे कई दिग्गज कलाकार रहें है लेकिन कुछ ऐसे भी रहे है जिन्होंने कला के साथ-साथ लोगों का कई मायनों में दिल जीता हुआ है। उन्हीं में से एक है बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर फिरोज खान। एक्टर, डायरेक्टर और प्रोड्यूसर फिरोज खान ने काफी कम समय में ज्यादा शौहरत हासिल की। दर्शक उन्हें खूब पसंद करते थे। फिरोज खान वैसे तो भारत के नहीं थे लेकिन उन्होंने अपना शानदार करियार भारत में ही बनाया और अंत तक भारत में भी बसे रहें। फिरोज खान ने भारत की धरती को अपनी मां के समान माना। उन्होंने हमेशा इस धरती का सम्मान किया, मौका मिलने पर दुश्मन देश की सरजमीं पर भी भारत का डंका बजाया। फिरोज खान को लेकर एक किस्सा है जो शायद आप लोगों को न पता हो। एक समय था जब भारत के पड़ोसी देश ने फिरोज खान को बैन कर दिया था। जहां पाकिस्तान में भारतीय मुस्लिम कलाकरों को खूब पसंद किया जाता है वहीं फिरोज खान को पाक सरकार ने बैन कर दिया था। आखिरल इसके पीछे की क्या वजह थी? जो किस्सा है फिरोज खान की जिंदगी से जुड़ा हुआ। ये किस्सा आज हम आप से इस लिए शेयर

कर रहे हैं क्योंकि आज फिरोज खान को दुनिया से अलविदा करें हुए पूरे 11 साल हो गये हैं। बात है 2006 की फिरोज खान अपने भाई अकबर खान की फिल्म ताज महल के प्रमोशन के सिल-सिले में पाकिस्तान गये थे। इस दौरान उन्होंने कई इवेंट भी किए थे। फिरोज खान ने पाकिस्तान में एक रान पार्टी के दौरान पाकिस्तानी सिंगर और एंकर फख्र ए आलम के साथ किसी बात पर बहस होने लगी। पाकिस्तानियों का मुंह बंद करने के लिए फिरोज खान ने एंकर को ऐसा जवाब ददिया कि उनका मुंह उसी समय बंद हो गया। फिरोज खान ने कहा कि हमारे भारत में हर कौम तरक्की कर रही है और इस्लाम के नाम पर बना पाकिस्तान पिछड़ रहा है। इस बात को लेकर मुद्दा इतना बढ़ गया कि भारत आने के बाद पाकिस्तान ने फिरोज शान की पाकिस्तान में एंट्री बैन करवा दी। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने भारत में पाकिस्तानी हाई कमिशन्र को निर्देश दिया गया था कि इस शख्स को पाकिस्तान का वीजा न दिया जाए।

मशहूर निर्देशक मीरा नायर ने बताई इरफान खान से मिलने की यह कहानी

मुम्बई। निर्देशक मीरा नायर की फिल्म 'द नेमसेक' में इरफान खान द्वारा निभाए गए किरदार को उनके महत्वपूर्ण कामों में से एक माना जाता है। बुधवार को 54 साल की उम्र में मुंबई के एक अस्पताल में अभिनेता इरफान खान का निधन हो गया। नायर ने प्रशंसकों के साथ अभिनेता से मिलने की कहानी साझा की है। नायर अपनी फिल्म 'सलाम बॉम्बे' के लिए प्रतिभा की तलाश में जुटी थीं और इसी दौरान वह दिल्ली के राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय पहुंची। वहां उनकी मुलाकात 18 साल के लंबे और ध्यानाकर्षित करने वाले एक युवक से हुई। द न्यूयॉर्क टाइम्स से फोन पर बातचीत के दौरान निर्देशक ने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा कि अभिनेता उस समय 18 साल के थे और उनके पास एक अद्भुत चेहरा था और सबसे ज्यादा दिलचस्प बात थी कि वह काम को लेकर बेहद केंद्रित थे। काफी कुछ गौर करते थे और खुले दिल के थे, कोई घमंड नहीं था। नायर ने कहा कि अभिनेता उनके आग्रह पर नाट्य विद्यालय छोड़ उनके साथ दो-तीन महीने के लिए मुंबई आ गए। निर्देशक यहां एक फ्लैट में अन्य सिनेमेटोग्राफर और सड़क के कुछ बच्चों के साथ रहती थीं। इस फिल्म में पहले वह एक गिरोह के सरगना सलीम का किरदार अदा करने वाले वाले थे लेकिन बाद में उन्हें एक ऐसे पत्रकार का किरदार दिया गया जो फिल्म में एक बच्चे के लिए उसकी मां को पत्र लिखता तो है लेकिन उसे भेजता नहीं है। इस फिल्म में यह किरदार काफी छोटा था। पहले जो किरदार उन्हें दिया जाने वाला था, वह लंबाई के हिसाब से उनके लिए नहीं जंचा था। नायर ने कहा कि अभिनेता को यह बताना बुरा तो था लेकिन वह यह बात समझ गए और दोनों इसके बाद दोस्त बन गए। इस फिल्म के 16 साल बाद नायर ने ' द नेमसेक' में खान को मुख्य भूमिका में लिया। यह फिल्म झुम्पा लाहिड़ी की इसी नाम से आई किताब पर बनी थी।

दर्शकों के लिए इन किरदारों को दमदार बनाने वाली अदाकारा का नाम हैं तब्बू

मुम्बई। 14 साल की उम्र में 'हम नौजवान' की रेप पीड़िता प्रिया की बात हो या फिर 'माचिस' में विद्रोह का शिकार हुई वीरन की। 'विरासत' की गांव की गोरी गहना हो या 'हू तू तू' की आत्मघाती हमलावर पन्ना। 'अस्तित्व' में गैर मर्द से संबंध रखने वाली शादीशुदा अदिति पंडित हो या 'चांदनी बार' की बार डांसर मुमताज। 'मकबूल' में डॉन की रखैल निम्मो हो या 'चीनी कम' में 64 साल के शेफ से इश्क लड़ाने वाली निना। दर्शकों के लिए इन किरदारों को दमदार बनाने वाली अदाकारा का नाम हैं तब्बू। आज बात उन्हीं के जीवन से जुड़े कुछ अनछुए पहलुओं पर। तब्बू का पूरा नाम तबस्सुम फातिमा हाशमी है। मगर सभी उन्हें प्यार से तब्बू पुकारते थे और आगे चलकर यही नाम उनकी पहचान बन गया। उनका जन्म चार नवंबर 1971 को हैदराबाद में हुआ। मगर बचपन से ही उन्हें पिता का प्यार नहीं मिला। उनके माता-पिता जमाल हाशमी और रिजवाना का तलाक हो गया। तब्बू का बचपन से फिल्मी जुड़ाव भी रहा है। बहुत कम लोगों को पता होगा कि वो शबाना आजमी और बाबा आजमी की भतीजी हैं और 80-90 के दशक की जानी मानी अभिनेत्री फराह नाज उनकी बहन हैं। दोनों बहनों के करियर में शबाना आजमी का भी अहम योगदान रहा है, क्योंकि उनकी मां नहीं चाहती थीं कि वो फिल्मों में काम करें। तब्बू पढ़े-लिखे परिवार से ताल्लुक रखती हैं। पिता के न होने पर मां रिजवाना ने ही सारी जिम्मेदारियां निभाईं। वो खुद एक टीचर थीं और उनके माता-पिता भी प्रोफेसर थे। एक इंटरव्यू में उनकी बहन फराह ने इस बारे में बताया था कि तब्बू बहुत पढ़ाकू थीं और बहुत अच्छा गाती थीं। घर में सभी उनकी बहुत तारीफ करते थे और मुझे बहुत डांट पड़ती थी। उनका यह शौक आज भी बरकरार है। हैदराबाद में जन्मी तब्बू 1983 में 12 साल की उम्र में मुंबई आ गईं। मगर काम करने के लिए नहीं बल्कि तब पढ़ने के लिए। हालांकि दो साल तक यहां सेंट जेवियर्स कॉलेज में शिक्षा हासिल करने के बाद उन्हें14 साल की उम्र में ही देव आनंद की फिल्मों 'हम नौजवान' में काम करने का मौका मिल गया। इसमें उन्होंने इतनी कम उम्र में ही रेप पीड़िता का संवेदनशील किरदार निभाया। ऐसा फैसला सिर्फ तब्बू जैसी अभिनेत्री ही ले सकती थीं। तब्बू को फिल्म इंडस्ट्री में लाने का श्रेय देव आनंद को जाता है। उन्हें 1985 में अपनी निर्देशित फिल्म 'हम नौजवान' के लिए कम उम्र की कलाकार की जरूरत थी। रेप पीड़िता का किरदार काफी चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने शबाना आजमी के घर तब्बू को देखा तो वो उन्हें पसंद आ गईं। उन्होंने शबाना को यह बात बताई। तब्बू की मां को फोन कर इस बारे में उन्होंन मनाने की काफी कोशिश की। मगर वो नहीं मानी, फिर देव आनंद ने यह जिम्मेदारी शबाना को सौंपी और वो तब्बू की मां को मनाने में कामयाब रहीं। तब्बू की जिंदगी से यह विवादित किस्सा भी जुड़ा है। तब्बू एक बार अपनी बहन फराह के साथ शूट पर गई थीं। तभी उन्होंने जैकी श्रॉफ पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया था। हालांकि बाद में इस बारे में कुछ भी साबित नहीं हो पाया, लेकिन जैकी श्रॉफ और तब्बू ने जिंदगी में कभी एक साथ काम नहीं किया। तब्बू को पहली बॉलीवुड फिल्म का ऑफर 1987 में बोनी कपूर ने फिल्म 'प्रेम' में संजय कपूर के अपोजिट दिया। मगर इस फिल्म को बनने में आठ साल लग गए। तब्बू को बॉलीवुड में असली पहचान 1994 में अजय देवगन के साथ फिल्म 'विजयपथ' से मिली। यह फिल्म सुपरहिट साबित हुई और तब्बू भी फिल्म इंडस्ट्री में छा गईं। इस फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ नवोदित अभिनेत्री के पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। 14 साल की उम्र से ही गंभीर किरदार निभाने वालीं तब्बू के अभिनय का लोहा बड़े-बड़े दिग्गज मानते हैं। उन्होंने अपने अब तक के करियर में 'माचिस', 'विरासत', 'हू तू तू', 'अस्तित्व' से लेकर 'चांदनी बार', 'मकबूल', 'हैदर' जैसी यादगार फिल्में दी हैं। हाल ही में रिलीज हुई निशिकांत कामत की सस्पेंस-थ्रिलर फिल्म 'दृश्यम' में भी सख्त इंस्पेक्टर जनरल मीरा देशमुख के किरदार में दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी। इतना ही नहीं, हिंदी, उर्दू, तमिल, तेलुगू और अंग्रेजी जैसी भाषाओं में महारत हासिल करने वालीं तब्बू 'द नेमसेक' और 'लाइफ ऑफ पाई' जैसी हॉलीवुड फिल्मों

से पूरी दुनिया में भी अपने अभिनय का डंका बजा चुकी हैं। वहीं 'विजयपथ', 'साजन चले ससुराल', 'जीत', 'चाची 420', 'बीवी नंबर वन' और 'हम साथ साथ हैं' जैसी कई कमर्शियल फिल्में भी की हैं। अपनी हर फिल्म में अलग-अलग किरदार से दर्शकों को चौंकाने वालीं तब्बू बॉलीवुड मेगास्टार अमिताभ बच्चन से भी इश्क लड़ा चुकी हैं। 2007 में आई फिल्म 'चीनी कम' में उन्होंने 34 साल की एक ऐसी महिला का किरदार निभाया, जिसे 64 साल के बुजुर्ग से प्यार हो जाता है। वहीं 014 में आई फिल्म 'हैदर' में 34 साल के शाहिद कपूर की मां का किरदार निभाने से भी नहीं हिचकीं। तब्बू अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी काफी सुर्खियों में रहीं। असल जिंदगी में उनके प्यार के चर्चे भी खूब आम हुए। कभी संजय कपूर तो कभी साजिद नाडियाडवाला के साथ अफेयर को लेकर चर्चा में रहीं। मगर सबसे ज्यादा साउथ स्टार नागार्जुन के बेहद करीब रहीं। हालांकि नागार्जुन पहले से ही शादीशुदा थे और वह अपनी पत्नी को तलाक नहीं देना चाहते थे। ऐसे में अपने रिश्ते का कोई भविष्य नहीं देखते हुए तब्बू ने उनसे अलग होने का फैसला कर लिया। एक समय में कुछ फिल्मों में नजर आए अभिनेता उपेन पटेल के साथ भी तब्बू के अफेयर की खबरें सामने आई थीं। उपेन उनसे उम्र में 10 साल छोटे थे और खबरों की मानें तो दोनों को एक नाइट क्लब में किस करते भी देखा गया था। हालांकि बाद में इन सब बातों को अफवाह बताया गया और कहा गया कि उपेन पब्लिसिटी पाने के लिए उनके नाम का इस्तेमाल कर रहे हैं। तब्बू का विवादों से भी नाता रहा है। 1998 में राजस्थान में फिल्म 'हम साथ साथ हैं' की शूटिंग के दौरान उन पर भी काले हिरण के अवैध शिकार का आरोप लगा था। इसमें फिल्म की बाकी स्टार-कास्ट सलमान खान, सैफ अली खान, करिश्मा कपूर, सोनाली बेंद्रे और नीलम को भी आरोपी बनाया गया था। हालांकि बाद में वो इस आरोप से बरी कर दी गईं। मगर सलमान खान पर यह केस अब तक चल रहा है। तब्बू के कइयों के साथ अफेयर रहे। मगर उन्हें अब तक सच्चा प्यार और जीवनसाथी नहीं मिल सका। वो अब भी कुंवारी हैं। शादी के सवालों पर अक्सर उनका यही जवाब होता है कि जब उनके मनपसंद लायक कोई मिल जाएगा तो वो शादी कर लेंगी। एक बार तो उन्होंने इस सवाल का बहुत ही मजेदार जवाब दिया था। तब्बू ने कहा था कि उनसे और सलमान खान से शादी से जुड़े सवाल पूछने बंद कर देने चाहिए। तब्बू ने अपनी जिंदगी के बारे में एक बार कहा था, 'मेरी जिंदगी बहुत ही सिंपल है। चाहे जितना भी खोद लो, कुछ नहीं निकलेगा।' वैसे आज जितनी बेबाक और हकीकत पसंद तब्बू हैं, कभी वो भी आम लड़कियों की तरह खूब फिल्मी सपने देखती थीं। वो भी ये सोचती थीं कि कहानियों की तरह असल जिंदगी में भी कोई राजकुमार आएगा और उनके कदमों में झुककर उन्हें अपने साथ चलने की पेशकश करेगा, मगर जल्द ही उन्होंने सपनों की दुनिया छोड़ वास्तविकता की दुनिया से नाता जोड़ लिया। 1982 में पहली बार 'बाजार' में नजर आईं तब्बू अब 'दृश्यम' तक का सफर तय कर चुकी हैं। इस दौरान उन्होंने लगभग 80 से ज्यादा फिल्मों में काम किया। उन्होंने हिंदी के साथ ही तमिल, तेलुगू, मराठी, मलयालम और बंगाली फिल्मों में भी अभिनय किया। हॉलीवुड में भी उनका अहम योगदान रहा है। आज उनके नक्शे कदम पर चलते हुए कई बॉलीवुड अभिनेत्रियां हॉलीवुड में भी काम करने को बेकरार हैं। कुछ जानीमानी अभिनेत्रियां तो इसकी शुरुआत भी कर चुकी हैं। तब्बू ने अपने फिल्मी कैरियर में हर तरह के किरदार निभाए। तब्बू का इस बात पर हमेशा ध्यादन केंद्रित रहा कि उनकी छवि एक हरफनमौला अभिनेत्री के रूप में बने। फिल्मों के चयन के मामले में तब्बू को 'लेडी आमिर खान' भी कह सकते हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस छोड़ कर इरफान खान से मिलने दौड़ पड़ी थीं दीपिका पादुकोण

मुम्बई। बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार और एक शानदार इंसान इरफान खान एक ऐसी शख्सियत थे जिन्हें हर कोई बहुत प्यार करता था। इरफान खान एक बेहतरीन कलाकार के साथ-साथ शानदार इंसान थे। इरफान खान ने हमेशा धर्म-जाति से उपर उठकर इंसानियत को अहमियत दी इसलिए जिस दिन इरफान इस दुनिया से गये हर किसी की आंखें नम थी। उनको गुजरे हुए दिन बीत रहे हैं लेकिन फैंस और उन्हें चाहने वाले अभी भी उनकी यादों को सोशल मीडिया पर शेयर कर रहे हैं। इरफान ऐसे इंसान थे जिसे भूला पाना मुमकिन नहीं है। इरफान जैसे कलाकार एक बार जन्म लेते हैं। उनकी इसी काबिलियत के कारण बॉलीवुड के सितारे भी उनके दीवाने थे। इरफान की एक फैन दीपिका पादुकोण भी हैं। दीपिका इरफान की कितनी इज्जत करती हैं ये बात एक वायरल वीडियो देख कर आप पता लगा सकते हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें दीपिका पादुकोण एक प्रेस ब्रीफींग में मीडिया से बात कर रही है उसी समय इरफान खान वहां पहुंच जाते हैं और दीपिका प्रेस ब्रीफिंग को छोड़ कर उनके पास जाकर मिलती हैं और उन्हें गले लगाती हैं। उनसे मिलने के बाद वह फिर अपनी बात मीडिया से पूरी करती हैं। आपको बता दें दीपिका पादुकोण और इरफान खान शूजित सरकार की फिल्म पीकू में साथ काम कर चुकें हैं।

इरफान खान की पत्नी सुतपा ने शेयर किया इमोशनल पोस्ट

मुम्बई। अपने अभिनय के दम पर देश-दुनिया में अपना लौहा मनवाने वाले इरफान खान दुनिया छोड़कर अचानक चलें गये। सभी को पीछे छोड़कर वो अपने कारवां के साथ निकल गये। इरफान खान एक ऐसी शख्सित थे जिसने शायद की कोई नफरत कर सकता होगा। पर्दे पर भले ही इरफान किरदार में किसी का बुराकर दे लेकिन निजी जिंदगी में वह एक पवित्र आत्मा थे। इरफान के पिता हमेशा उनके बारे में एक बाद कहते थे कि पठान के घर में ब्राह्मण ने जन्म लिया है। वह हमेशा धर्म-जाति से उपर इंसानियत को सम्मान देते थे। अब इरफान खान इस दुनिया में नहीं रहे वह अपने पीछे 2 बच्चे और पत्नी सुतपा सिकदर को छोड़ कर चले गये हैं। ये वक्त परिवार के लिए बहुत ही दुखद है। इरफान की पत्नी सुतपा सिकदर ने अपनी फीलिंगस को एक पोस्ट लिखकर लोगों के साथ शेयर किया है। सुतपा सिकदर ने फेसबुक पर इरफान के साथ एक तस्वीर शेयर की है जिसमें वह इरफान खान के साथ उन्हें बाहों

में भर कर बैठी हुई है उन्होंने तस्वीर के कैप्शन में लिखा कि मैंने इरफार को खोया नहीं है बल्कि हर हाल में पाया है। इरफान उस तस्वीर में काफी खुश नजर आ रहे हैं। इससे पहले इरफान खान ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि मेरी पत्नी मेरे लिए बहुत ही स्पेशल हैं उन्होंने मेरा हर समय ख्याल रखा हैं। हर हालात में और हर परिस्थिति में साथ दिया है। मैं आने जीना अपनी पत्नी के लिए चाहता हूं। कैंसर जैसी बीमारी को उन्होंने हराया और फिल्म अंग्रेजी मीडियम से पर्दे पर वापसी की। देश के मुश्किल हालात जल्द से जल्द ठीक हो जाए उसके लिए बीमार होने के बावजूद उन्होंने 12 घंटे का व्रत रखा और ईश्वर से प्रार्थना की। इरफान खान एक अच्छे अभिनेता के साथ-साथ एक दिलखुश और धर्म-जाति से उपर इंसानियत को रखने वाले शख्स थे। इरफान का व्यक्तित्व ऐसा था जिसे आप एक शब्द में नहीं परिभाषित कर सकते। इरफान को जानने के लिए किताब का एक पनन पढ़ना काफी नहीं है उन्हें समझने के लिए पूरी किताब पढ़नी होगी।

राशिफल

नीतू कपूर और पद्मिनी कोल्हापुरे ने नातु नातु पर किया धमाल डांस वीडियो हो रहा जमकर वायरल

मुम्बई। यह 'नाटू नाटू' का साल है और इसे लेकर दीवानगी खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। अभिनेत्री नीतू कपूर और पद्मिनी कोल्हापुरे का नया रील वीडियो इसका सटीक उदाहरण है। मंगलवार को नीतू और पद्मिनी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो डाला, जिसमें उन्हें ऑस्कर विजेता गीत 'नाटू नाटू' पर थिरकते देखा जा सकता है। वीडियो में नीतू को बैंगनी पैंट और जैकेट के साथ एक सफेद टॉप पहने देखा जा सकता है, जबकि पद्मिनी को नीले रंग का हाई-नेक टॉप और काले रंग की फ्लेयर्ड पैंट पहने देखा जा सकता है। महिलाओं ने 'नाटू नाटू' हुक

स्टेप पर जमकर थिरकते हुए देख सकते हैं। दोनों के डांस को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। दोनों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा हैं। उनके शेयर करने के तुरंत बाद प्रशंसकों ने लाल दिल और आग इमोटिकॉन्स के साथ टिप्पणी अनुभाग को स्वाहा कर दिया। एक प्रशंसक ने टिप्पणी की, 'आप अद्भुत हैं!!' एक अन्य प्रशंसक ने लिखा, 'वाह मेरी पसंदीदा दो सुंदरियां एक फ्रेम में, नीतू जी और पद्मिनी जी' एक यूजर ने लिखा, 'टू लेजेंड्स टिवनिंग।' इस बीच, हाल ही में नीतू को अपनी खूबसूरत बहू आलिया भट्ट की तारीफ करते हुए देखा गया था क्योंकि अभिनेत्री ने मेट गाला 2023 में अपनी शुरुआत की थी और उनके राजकुमारी जैसे अवतार ने सभी का ध्यान खींचा था। नीतू ने लिखा, 'स्टनिंग,' और उसके बाद एक लाल दिल वाला इमोटिकॉन।

विज्ञापन प्रतिनिधि
श्री सुजीत कुमार
मो. 7007632314

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
दीपक अरोरा द्वारा
रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए
बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से मुद्रित
एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी
औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
(उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।